E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

# आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक -20 | प्रयागराज, बुधवार 25 मार्च, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

## ट्रम्प ने रक्षामंत्री के कहने पर ईरान पर हमला किया,उपराष्ट्रपति वेंस इससे खुश नहीं थे

### ईरान को एटमी हथियार बनाने से रोकना था

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का 25वां दिन हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के कहने पर ईरान पर हमला का आदेश दिया था। अल जजीरा के मुताबिक ट्रम्प ने कहा कि हेगसेथ सबसे पहले ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के समर्थन में सबसे पहले आगे आए थे। हेगसेथ का मानना था कि ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकना जरूरी है, इसलिए कार्रवाई करनी चाहिए। हालांकि ट्रम्प सरकार के अंदर भी इस मुद्दे पर पूरी सहमति नहीं है। ट्रम्प ने माना कि उपराष्ट्रपति जेडी वेंस इस फैसले से पूरी तरह खुश नहीं थे, लेकिन उन्होंने खुलकर विरोध भी नहीं किया। वहीं पीट हेगसेथ ने कहा कि अमेरिका का मकसद ईरान की मिसाइल, ड्रोन और नौसेना ताकत खत्म करना है। लेकिन यह युद्ध कब खत्म होगा, इस बारे में उन्होंने कुछ साफ नहीं कहा। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच हालिया बातचीत के बाद 15 मुद्दों पर सहमति बनी है। इन मुद्दों की

पूरी लिस्ट सार्वजनिक नहीं की गई है। उन्होंने ईरान के पावर प्लांट पर हमले 5 दिन के लिए टाल दिए, जबकि इससे पहले होर्मुज खोलने के लिए 48 घंटे की चेतावनी दी थी। ईरान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि तेहरान और वॉशिंगटन के बीच कोई बातचीत नहीं हो रही है। वहीं, पाकिस्तान, मिस्र और तुर्किये के साथ मिलकर ईरान और इजराइल के ईरान पर किए गए हमले साबित करते हैं, कि उनके देश का परमाणु हथियार रखने का फैसला सही था। पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने रविवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से बातचीत की। नॉर्थ कोरिया के नेता किम जोंग उन ने देश के पास परमाणु हथियार होने को लेकर खुशी जताई है। सरकारी मीडिया के मुताबिक उन्होंने कहा कि अमेरिका और इजराइल के ईरान पर किए गए हमले साबित करते हैं, कि उनके देश का परमाणु हथियार रखने का फैसला सही था। पाकिस्तान अखबार डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक किम ने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहा युद्ध दिखाता है कि आज की दुनिया में सिर्फ मजबूत सैन्य ताकत ही किसी देश को सुरक्षित रख सकती है। उन्होंने यह बयान सोमवार को संसद में लंबे भाषण के दौरान दिया। अपने भाषण में किम ने दक्षिण कोरिया के प्रति सख्त रुख दोहराया और कहा कि वह अपने देश की परमाणु ताकत को और मजबूत करेंगे, ताकि अमेरिका को रोका जा सके। ईरान के ऊर्जा मंत्री अब्बास अलीआबादी ने कहा है कि अगर देश के पावर प्लांट्स पर हमला भी होता है, तो लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि ईरान ने अपनी बिजली बनाने का सिस्टम अलग-अलग जगहों पर फैला रखा है, इसलिए किसी एक जगह पर हमला होने से ज्यादा असर नहीं पड़ेगा। मंत्री ने भरोसा दिलाया कि अगर कोई बिजली घर खराब होता है, तो उसे जल्दी ठीक कर लिया जाएगा और पहले से बेहतर बनाया जाएगा।

## ईरान जंग जारी रही तो गंभीर नतीजे होंगे,आने वाला समय देश की सबसे बड़ी परीक्षा लेगा,टीम इंडिया की तरह काम करना होगा-पीएम नरेंद्र मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पश्चिम एशिया के हालात पर

राज्यसभा में मंगलवार को 21 मिनट बोले। उन्होंने कहा कि अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग जारी रही तो इसके दुष्परिणाम होंगे। आने वाला समय देश की सबसे बड़ी परीक्षा लेने वाला है। इसमें राज्यों का सहयोग जरूरी है। टीम इंडिया की तरह काम करना होगा। उन्होंने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट में हमारे जहाज और भारतीय क्रू फंसे हुए हैं। ये चिंताजनक है। हमारे व्यापार के रास्ते प्रभावित हो रहे हैं। गैस-तेल, फर्टिलाइजर्स जैसे जरूरी सामान की सप्लाई पर असर पड़ा है। एक दिन पहले पीएम ने लोकसभा में 25 मिनट की स्पीच दी थी। उन्होंने कहा था कि इस युद्ध के कारण दुनिया में जो कठिन हालात बने हैं, उनका प्रभाव लंबे समय तक बने रहने की आशंका है। इसलिए हमें तैयार रहना होगा। हम कोरोना के समय भी एकजुटता से ऐसी चुनौतियों का सामना कर चुके हैं। पीएम की स्पीच की 5 बड़ी बातें- राज्य सरकारों से अपीलः ऐसे संकट के समय में गरीबों पर, श्रमिकों पर बुरा असर पड़ता है। उन्हें पीएम गरीब अन्न कल्याण योजना का लाभ मिलता रहे। राज्य सरकार इसके लिए विशेष व्यवस्था करे। ऐसे समय में कालाबाजारी करने वाले, जमाखोरी करने वाले एक्टिव होते हैं। जहां से शिकायतें आती हैं, वहां कार्रवाई कीजिए। संकट कितना भी बड़ा है, भारत की तेज ग्रोथ बनाए रखना सबकी जिम्मेदारी है। हमें हर जरूरी कदम, हर जरूरी रिफॉर्म तेजी से करते रहने होंगे। किसानों को मैसेजः सरकार कोशिश कर रही है कि आने वाले बुआई के सीजन में किसानों को खाद मिलती रहे। सरकार ने खाद की पर्याप्त सप्लाई के लिए जरूरी तैयारियां की है। किसानों को फिर आश्वस्त करूंगा कि सरकार हर चुनौती के समाधान के लिए उनके साथ खड़ी है। ये राज्यों का सदन है। आने वाले समय में संकट हमारे देश की बड़ी परीक्षा लेने वाला है। इसमें सफलता के लिए राज्यों का सहयोग जरूरी है। राज्यों की सरकार से आग्रह करना चाहता हूं।

## सुप्रीम कोर्ट बोला-महिला अफसर सेना में स्थायी कमीशन की हकदार,इससे इनकार करना भेदभाव था

### कोर्ट ने कहा- जिनकी सर्विस खत्म हुई, उन्हें भी पेंशन मिलेगी

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा, 'आर्मी, नेवी और एयर फोर्स की महिला शॉर्ट

सर्विस कमीशन (एसएससी) अधिकारियों को स्थायी कमीशन न देना उनकी योग्यता की कमी नहीं, बल्कि व्यवस्था में मौजूद भेदभाव का नतीजा था।' कोर्ट ने कहा कि महिला अधिकारियों के काम का आकलन इस सोच के साथ किया गया कि उन्हें परमानेंट कमीशन नहीं मिलेगा। जिन महिला अफसरों को गलत या मनमाने मूल्यांकन के कारण कमीशन नहीं मिला, उन्हें अब पूरी पेंशन मिलेगी। जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस उज्जवल भुइयां और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की बेंच ने कहा कि इन अधिकारियों की 20 साल की न्यूनतम सेवा पूरी मानी जाएगी, भले ही वे इससे पहले ही सेवा से बाहर हो गई हों। बेंच ने केंद्र सरकार को आगे के लिए साफ और पारदर्शी चयन प्रक्रिया अपनाने और मूल्यांकन के सभी नियम पहले से बताने का निर्देश दिया, ताकि भविष्य में भेदभाव न हो। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को सेना में शॉर्ट सर्विस कमीशन (एसएससी) में महिला अफसरों को स्थायी कमीशन देने के मामले में सुनवाई की। सूचेता ईडन समेत अन्य महिला अधिकारियों ने याचिका लगाई थीं, जिनमें 2019 की नीति और आर्मड फोर्सेस ट्रिब्यूनल के फैसलों को चुनौती दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने 3 राहत दी-1. जिन एसएससी अफसरों को 2020-21 में नंबर 5 सेलेक्शन बोर्ड या एएफटी (ट्रिब्यूनल) के फैसले के आधार पर पहले ही स्थायी कमीशन (पीसी) मिल चुका है, उनका स्टेटस नहीं बदला जाएगा।2. जो महिला एसएससी अफसर (अपीलकर्ता) इस केस के दौरान सेवा से बाहर हो गईं, उन्हें मान लिया जाएगा कि उन्होंने 20 साल की जरूरी सेवा पूरी कर ली है। उन्हें पेंशन और उससे जुड़े सभी लाभ मिलेंगे, लेकिन पिछला वेतन (एरियर) नहीं मिलेगा। 3. वर्तमान में जो महिला अफसर सेवा में हैं, उन्हें कटऑफ पूरा करने पर परमानेंट कमीशन मिलेगा। यह आदेश उन महिला अधिकारियों पर लागू नहीं होगा जो जज एडवोकेट जनरल और ईएसी (एजुकेशन कॉर्प्स) में हैं, क्योंकि उन्हें 2010 से ही स्थायी कमीशन के लिए विचार का मौका मिलता रहा है। सीजेआईः आज 3 मामलों में फैसला सुनाया जा रहा है- आर्मी, नेवी और एयर फोर्स पर-इसके बाद सीजेआई ने एक-एक कर तीनों सेनाओं के मामलों पर आदेश सुनाया- आर्मी केस- क्या एसीआर (परफॉर्मेंस रिपोर्ट) सही तरीके से बनी? हमने पाया है कि एसीआर इस सोच के साथ लिखे गए कि महिलाओं को आगे मौका नहीं मिलेगा। इससे उनकी (महिला अफसर) मेरिट पर असर पड़ा, पुरुष अधिकारियों से पीछे रहीं। महिलाओं को जरूरी ट्रेनिंग भी नहीं दी गई। यह उनके करियर के खिलाफ गया। आर्टिकल 142 के तहत 'पूर्ण न्याय' के लिए आदेश दे रहे हैं। नेवी केस- एसीआर में यहां भी पूर्वाग्रह मिला। लेकिन 'डायनेमिक वैकेंसी मॉडल' सही और गैर-भेदभावपूर्ण है। अधिकारियों को मूल्यांकन का पूरा मापदंड नहीं बताया गया, यह बड़ी कमी। एयर फोर्स- न्यूनतम प्रदर्शन मानदंड जल्दबाजी में लागू किए गए। 2007 बैच को 2020-21 में आंका गया, यह प्रक्रिया ठीक नहीं। प्रक्रिया में खामियां होने के बावजूद कोर्ट ने पुनर्नियुक्ति का आदेश दिया।

## कोलंबिया में वायुसेना का विमान क्रैश,114 कोलंबियाई सैनिक और 11 क्रू मेंबर सवार थे,66 की मौत

बोगोटा। कोलंबिया में सोमवार को एयरफोर्स का हरक्यूलिस सी-

130 विमान टेक-ऑफ के दौरान क्रैश हो गया। हादसे में अब तक 66 लोगों की मौत हो गई और 50 से ज्यादा घायल हो गए। जबकि 4 सैनिक अभी भी लापता है। एक सैन्य सूत्र ने एएफपी को बताया कि 58 सैनिक, छह वायुसेना कर्मी और दो पुलिस अधिकारी मारे गए हैं। यह हादसा पेरू सीमा के पास दक्षिणी अमेजन क्षेत्र के प्यूर्टो लेगुइजामो में हुआ। रक्षा मंत्री पेड्रो सांचेज ने बताया कि विमान रनवे से करीब 1.5 किलोमीटर दूर जाकर गिरा। विमान में 114 सैनिक और 11 क्रू मेंबर सवार थे। कोलंबिया की सेना ने बताया कि इस हादसे में करीब 80 सैनिकों के मारे जाने की आशंका है।कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने सैन्य विमान हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने कहा कि यह एक गंभीर हादसा है। ऐसी घटना नहीं होनी चाहिए थी और जवानों की सुरक्षा सबसे जरूरी है। सरकार सेना को मजबूत बनाने और बेहतर सुविधाएं देने पर काम कर रही है, ताकि आगे ऐसे हादसे न हों। पेट्रो ने कहा कि सेना के हथियार और संसाधनों को आधुनिक बनाने का फैसला पहले ही लिया जा चुका है, लेकिन प्रशासनिक देरी के कारण इसे लागू नहीं किया जा सका। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर नागरिक या सैन्य अधिकारी इस चुनौती के अनुरूप काम नहीं कर पाए, तो उन्हें हटाया जाएगा।राष्ट्रपति ने कहा कि सेना के लिए नए हेलिकॉप्टर, ट्रांसपोर्ट विमान और एंटी-ड्रोन सिस्टम तुरंत खरीदे जाने चाहिए, ताकि जवानों की सुरक्षा तय की जा सके।हादसे के बाद आसपास के गांवों के लोग तुरंत मदद के लिए पहुंच गए। कई लोग मोटरसाइकिल से घायलों को अस्पताल ले गए और आग बुझाने की कोशिश की। घायलों को पहले छोटे क्लीनिक में भर्ती किया गया, फिर उन्हें बड़े शहरों जैसे बोगोटा के अस्पतालों में एयरलिफ्ट किया गया। रक्षा मंत्री पेड्रो सांचेज ने साफ किया है कि अभी तक किसी आतंकी या हमले के सबूत नहीं मिले हैं। यानी फिलहाल इसे एक हादसा ही माना जा रहा है। हादसे के बाद आग से विमान में मौजूद गोला-बारूद फटने लगा, जिससे हालात और खतरनाक हो गए। एक एविएशन एक्सपर्ट ने बताया कि यह विमान 2020 में अमेरिका ने कोलंबिया को दिया था और कुछ साल पहले इसका पूरा मेंटेनेंस (ओवरहाल) भी किया गया था। इसलिए पहली नजर में ऐसा नहीं लगता कि खराब पार्ट्स की वजह से हादसा हुआ। अब जांच में यह पता लगाया जाएगा कि टेकऑफ के तुरंत बाद विमान के इंजन क्यों फेल हो गए।

## 2029 चुनाव से पहले लागू होगा 33फीसदी महिला आरक्षण,महिला सांसदों की संख्या 273 तक पहुंचेगी

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले सरकार का प्रस्ताव है कि नई जनगणना का इंतजार करने की

महिलाओं के लिए 33फीसदी आरक्षण लागू करने की तैयारी में है। इसके लिए संसद के मौजूदा सत्र में दो बिल लाए जा सकते हैं। इसके जरिए महिला आरक्षण लागू करने की मौजूदा शर्त में बदलाव किया जाएगा। इससे लोकसभा में सदस्यों की संख्या 543 से बढ़कर 816 हो सकती है। इनमें महिला सांसदों के लिए आरक्षित सीटों की संख्या 273 हो जाएगी। गृहमंत्री अमित शाह ने इस पर सहमति बनाने के लिए सोमवार को एनडीए और गैर-कांग्रेसी विपक्षी दलों के नेताओं के साथ बैठक की। सहमति बनने पर बिल इसी हफ्ते पेश किए जा सकते हैं। दरअसल, 2023 में महिला आरक्षण कानून संविधान के 106वें संशोधन के रूप में पास हुआ था। इसके तहत महिला आरक्षण नई जनगणना के बाद लागू होना है।अब बजाय 2011 की जनगणना के आंकड़ों के आधार पर ही परिसीमन किया जाए। इससे प्रोसेस तय समय पर पूरी हो सकेगी और आरक्षण लागू किया जा सकेगा। इस सत्र में 2 बिल लाए जाएंगे, एससी और एसटी कोटा होगा-दो बिलः एक बिल के जरिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन होगा, जबकि दूसरा परिसीमन कानून में बदलाव से जुड़ा होगा। इसे पास कराने के लिए संसद में दो-तिहाई बहुमत जरूरी होगा। इसी वजह से सरकार विपक्ष का समर्थन जुटाने में लगी है। आरक्षणः प्रस्ताव के मुताबिक 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। आरक्षण का ढांचा ऐसा होगा, जिसमें एससी और एसटी वर्ग की महिलाओं को उनके कोटे के भीतर हिस्सा मिलेगा।**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर...**

## ईरान में गैस प्लांट और पाइपलाइन पर हमला,जंग में अब तक 2,663 मौतें

तेहरान। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का आज 25वां दिन हैं। ईरान में मंगलावार को कई जगह एनर्जी इन्फ्रास्ट्रक्टचर पर हमला हुआ। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान के इस्फहान शहर में गैस प्लांट और गैस कंट्रोल स्टेशन को निशाना बनाया गया। इसके अलावा खोर्रमशहर के पावर प्लांट और उसकी गैस पाइपलाइन पर भी हमला हुआ। वहीं लेबनान में ईरान समर्थक उग्रवादी संगठन हिजबुल्लाह ने आज इजराइल के 5 ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन अटैक किया। हिजबुल्लाह ने बताया कि उसने इजराइली सैनिकों की एक छावनी, रडार और तोपखाने को निशाना बनाया। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच हालिया बातचीत के बाद 15 मुद्दों पर सहमति बनी है। इन मुद्दों की पूरी लिस्ट सार्वजनिक नहीं की गई है। उन्होंने ईरान के पावर प्लांट पर हमले 5 दिन के लिए टाल दिए, जबकि इससे पहले होर्मुज खोलने के लिए 48 घंटे की चेतावनी दी थी। ईरान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि तेहरान और वॉशिंगटन के बीच कोई बातचीत नहीं हो रही है। वहीं, पाकिस्तान, मिस्र और तुर्किये के साथ मिलकर ईरान और अमेरिका के बीच मध्यस्थता की कोशिश कर रहा है।

## पहली बार इच्छामृत्यु पाने वाले हरीश राणा की मौत-13 साल से कोमा में थे

### सुप्रीम कोर्ट ने 13 दिन पहले इजाजत दी थी

गाजियाबाद। हरीश राणा ने मंगलवार को दिल्ली एम्स में अंतिम सांस ली। पीटीआई ने सूत्रों के हवाले

से इसकी पुष्टि की है। 31 साल के हरीश 13 साल से कोमा में थे। सुप्रीम कोर्ट ने 11 मार्च को इच्छामृत्यु की इजाजत दी थी। ये देश का पहला मामला है, जिसमें किसी को इच्छामृत्यु दी गई है। 14 मार्च को हरीश को दिल्ली एम्स में शिफ्ट किया गया था। एम्स प्रशासन ने 16 मार्च को हरीश राणा की फीडिंग ट्यूब हटा दी थी। एम्स में हरीश को पैसिव यूथेनेशिया दिया गया। इसका मतलब होता है कि किसी गंभीर रूप से बीमार मरीज को जिंदा रखने के लिए जो बाहरी लाइफ सपोर्ट या इलाज दिया जा रहा है, उसे रोक दिया जाए या हटा लिया जाए, ताकि मरीज की प्राकृतिक रूप से मौत हो सके। सुप्रीम कोर्ट ने 11 मार्च को इच्छामृत्यु मामले में फैसला सुनाया था। कोर्ट ने 13 साल से कोमा में रह रहे 31 साल के युवक हरीश राणा को इच्छामृत्यु (पैसिव यूथेनेशिया) की मंजूरी दी थी।फैसले के बाद मां निर्मला देवी ने कहा था कि 'बेटे के इलाज के लिए हर संभव प्रयास किए। बड़े-बड़े अस्पतालों में दिखाया और कई डॉक्टरों से इलाज भी कराया, लेकिन उम्मीदें लगभग खत्म हो गई हैं। अब तो बस भगवान से यही प्रार्थना है कि उसे इस पीड़ा से जल्द मुक्ति मिल जाए।'दिल्ली में जन्मे हरीश राणा चंडीगढ़ की पंजाब यूनिवर्सिटी से बीटेक कर रहे थे। साल 2013 में आखिरी सेमेस्टर की पढ़ाई के दौरान हॉस्टल की चौथी मंजिल से गिर गए। हादसे के बाद उनके पूरे शरीर में लकवा मार गया और वह कोमा में चले गए। तब से न वह बोल पा रहे हैं और न ही किसी चीज को महसूस कर पा रहे थे।

## पाकिस्तान 2025 में दुनिया का सबसे प्रदूषित देश, भारत का लोनी सबसे प्रदूषित शहर रहा

नयी दिल्ली। साल 2025 में पाकिस्तान दुनिया का सबसे ज्यादा प्रदूषित देश रहा। प्रदूषण पर जारी

आईक्यू एयर की सालाना रिपोर्ट मंगलवार को जारी हुई है। इसमें बताया गया है कि पाकिस्तान में पीएम 2.5 कणों का स्तर डब्लूएचओ के तय मानक से 13 गुना तक ज्यादा रहा। आईक्यू एयर की रिपोर्ट में बताया गया कि 143 देशों में से 130 देश डब्लूएचओ के प्रदूषण मानकों को पूरा नहीं कर पाए। रिपोर्ट के मुताबिक सबसे प्रदूषित देशों की लिस्ट में बांग्लादेश दूसरे और ताजिकिस्तान तीसरे स्थान पर रहे। 2024 में सबसे प्रदूषित देश रहा चाड 2025 में चौथे स्थान पर खिसक गया। शहरों की बात करें तो भारत का लोनी सबसे प्रदूषित शहर रहा, इसके बाद चीन का होतान दूसरे स्थान पर रहा। इस लिस्ट में दुनिया के सबसे ज्यादा प्रदूषित 25 शहर भारत, पाकिस्तान और चीन के ही हैं। सिर्फ 14फीसदी शहर ही डब्लूएचओ के मानक पर खरे उतरे, जबकि पिछले साल यह आंकड़ा 17फीसदी था। पाकिस्तान, बांग्लादेश, ताजिकिस्तान, चाड, कांगो, भारत, कुवैत, युगांडा, मिस्र, उज्बेकिस्तान।

## इजराइल पर ईरान की बैलिस्टिक मिसाइल गिरने से हड़कंप,इजराइल के मिसाइल डिफेंस सिस्टम में सेंध लगने की जांच शुरू

द न्यूयॉर्क टाइम्स/न्यूयॉर्क। इजराइल में शनिवार को डिमोना और नजदीकी शहर अराद पर गिरी ईरान की दो बैलिस्टिक मिसाइलों ने इजराइलियों को स्तब्ध कर दिया है। इजराइल के दक्षिण नेगेव रेगिस्तान में डिमोना शहर से लगभग 14 किलोमीटर दूर स्थित उसके प्रमुख परमाणु रिसर्च सेंटर और रिएक्टर के मुकाबले कुछ ही स्थान ऐसे होंगे जो इनसे ज्यादा सुरक्षित हों। इसलिए तीन घंटे के अंतर से गिरी दो ईरानी मिसाइलों ने इजराइल के मिसाइल डिफेंस सिस्टम पर सवाल खड़े कर दिए हैं। विशेषज्ञ अनुमान लगा रहे हैं कि पिछले साल ईरान से 12 दिन के युद्ध में इनका जखीरा खत्म ?हो गया होगा। यह चिंता आने वाले सप्ताहों में और गहरी होगी। इजराइल के सैनिक अधिकारियों ने बताया, वे जांच कर रहे हैं कि गड़बड़ी कहां हुई है। लेकिन विस्तृत ब्योरे पर चुप्पी साध रखी है। रविवार को प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतनयाहू ने प्रभावित स्थानों का दौरा करने के बाद इजराइलियों से कहा कि वे बेफिक्र न रहें। मिसाइल

अलर्ट आने पर बम शेल्टर में शरण लें। इजराइली सेना ने ईरान की बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने की दर 90फीसदी बताई है। अधिकारियों का कहना है कि डिफेंस सिस्टम रोकथाम की 100फीसदी क्षमता कभी हासिल नहीं कर सकते हैं। इजराइली एयर और मिसाइल डिफेंस सिस्टम के पूर्व कमांडर ब्रिगेडियर जनरल रैन कोचाव ने बताया कि डिमोना बहुस्तरीय इजराइली और अमेरिकी डिफेंस सिस्टम से सुरक्षित था। यह ऑपरेशनल नाकामी है। इजराइल के मिसाइल डिफेंस में आयरन डोम प्रमुख हैं। लेकिन इसे हमास की कम दूरी की मिसाइलों को रोकने के लिए बनाया गया है। बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने का उसका सबसे आधुनिक हथियार एरो-3 है, लेकिन एरो-3सिस्टम महंगा है। उसे बनाने में समय लगता है। इजराइली मीडिया ने रविवार को बताया कि अराद और डिमोना में एरो-3 तैनात नहीं था। इजराइल और अमेरिका द्वारा तैयार एंटीबैलिस्टिक मिसाइल सिस्टम धरती के वातावरण के बाहर अंतरिक्ष में मिसाइलों को रोकता है। इजराइल में अमेरिका का थाड सिस्टम भी तैनात है। अधिक इंटरसेप्टर की मांग-इजराइली रक्षा मंत्रालय के डायरेक्टर जनरल अमीर बराम इस माह अधिक इंटरसेप्टर और गोला-बारूद ?सप्लाई करने की मांग करने वाशिंगटन गए थे। नाम न बताने की शर्त पर तीन इजराइली अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि क्या अमेरिका अधिक सप्लाई के लिए सहमत हो गया है। क्लस्टर मिसाइलों से खतरा- जमीन से कुछ किलोमीटर ऊपर फटने वाली ईरान की क्लस्टर मिसाइलें घातक साबित हो रही हैं। अराद, डिमोना, तेल अवीव और यरूशलम के पास बेट शेमेश पर हमलों के अलावा अन्य इलाकों में बड़े मिसाइल के हिस्सों या क्लस्टर मिसाइलों से कई बिल्डिंग और सड़कों को नुकसान पहुंचा है। इजराइल के सेफ्टी सिस्टम के कमजोर होने पर चिंता-पिछले साल जून में 12 दिन के युद्ध की समाप्ति के बाद इजराइली सेना ने चिंता जताई थी कि क्या देश का मिसाइल एयर डिफेंस सिस्टम ईरान की बैलिस्टिक मिसाइल खत्म होने से पहले ही चुक जाएगा। उस वक्त अधिकारियों ने कहा था कि इजराइल को अपने इंटरसेप्टर बचा कर खर्च करना होंगे। उसे सामरिक इंफ्रास्ट्रक्चर को अहमियत देना पड़ेगी। वैसे इजराइली सेना ने इन बातों का खंडन किया है।

## 04 वाहनों पर अवैध ओवरलोडिंग के विरूद्ध हुई कार्यवाही

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर के निर्देशानुसार अन्य जनपदों से आने वाले डम्फरो की खनन टास्क फोर्स की टीम, जिसमें उपजिलाधिकारी डलमऊ सतेन्द्र सिंह व क्षेत्राधिकारी डलमऊ गिरजा शंकर त्रिपाठी व खनन अधिकारी सुरेश (संयुक्त टीम) द्वारा डलमऊ-लालगंज मार्ग में अवैध खनन/परिवहन/ ओवरलोड वाहनों के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए 4 वाहनों का ऑनलाइन चालान करते हुए रु0 1,46,000/- का जुर्माना जमा कराया गया है।

## नव संवत्सर पर गूंजा सांस्कृतिक गौरव का संदेश, भारत विकास परिषद ने चुने नए पदाधिकारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली में भारत विकास परिषद का नव संवत्सर कार्यक्रम अत्यंत भव्यता और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में परिषद के सदस्यों एवं गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिषद के अध्यक्ष अरविंद श्रीवास्तव ने की।अध्यक्ष अरविंद श्रीवास्तव ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि परिषद रायबरेली में सेवा, संस्कार और संपर्क के कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने के लिए कटिबद्ध है। प्रांतीय उपाध्यक्ष नवल किशोर बाजपेई ने परिषद द्वारा संचालित विभिन्न सेवा कार्यों की जानकारी दी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचारक अमित कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि भारत प्राचीन काल से ही ज्ञान, विज्ञान और संस्कृति का केंद्र रहा है। हमारे वेद और शास्त्र आज भी पूरी दुनिया को मार्गदर्शन देने की क्षमता रखते हैं। उन्होंने कहा कि भारत के लोगों में प्रतिभा और क्षमता की कोई कमी नहीं है, और हम शिक्षा, उद्योग एवं व्यापार के क्षेत्र में विश्व में अग्रणी भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि भारतीय नव वर्ष को गर्व और उत्साह के साथ मनाएं तथा अपनी संस्कृति और परंपराओं को आगे बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। इस अवसर पर परिषद के प्रांतीय महासचिव शशिकांत सक्सेना ने शाखा के सदस्यों की सहमति से निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न कराते हुए आगामी सत्र के लिए उमेश अग्रवाल को अध्यक्ष, प्रभात श्रीवास्तव को सचिव एवं विजय सिंह को कोषाध्यक्ष चुने जाने की घोषणा की। उन्होंने बताया कि शीघ्र ही नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का दायित्व ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन क्षेत्रीय सेवा संयोजक अम्बरीष अग्रवाल एवं विवेक सिंह ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर परिषद के पूर्व क्षेत्रीय संरक्षक डॉ. आर. बी. श्रीवास्तव, संरक्षक सुभाष चंद्र श्रीवास्तव, प्रथम महिला सीमा श्रीवास्तव, पूर्व अध्यक्ष कमलेश चंद्र श्रीवास्तव, डॉ. चम्पा श्रीवास्तव, संजीव नंदी, शूरवीर सिंह, रवि शंकर चटर्जी, वी. के. अग्निहोत्री, राकेश मिश्रा, ममता अग्रवाल, विभा श्रीवास्तव, नीरज गुप्ता, राजेश श्रीवास्तव, शिव कुमार गुप्ता, कंचन श्रीवास्तव, दिवाकर द्विवेदी रविंद्र नाथ हरि, डॉ. अमिता खुबेले, गजानन खुबेले, राजा राम मौर्य, अजय श्रीवास्तव, सुरेश चंद्र शुक्ला, देवेंद्र श्रीवास्तव, नीलिमा श्रीवास्तव, वाणी पांडेय, पवन श्रीवास्तव, अजय मिश्रा, सतीश श्रीवास्तव, किरन मिश्रा, मंगलेश श्रीवास्तव, स्नेहलता श्रीवास्तव, विनोद दुबे, के. के. श्रीवास्तव सहित अनेकों सदस्य उपस्थित रहे।

## कन्याओं का सर्वधर्म मे विशिष्ट स्थान -सरदार पतविंदर सिंह,कन्याओं की पूजा,पाव-पूजन जहा होता है वहां देवताओं निवास

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नैनी प्रयागराज।भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा काशी क्षेत्र वरिष्ठ उपाध्यक्ष सरदार पतविंदर सिंह ने गुरुवार को नैनी के विभिन्न गांवों का भ्रमण कर कन्या का पूजन करते हुए,हो गए भावुक,नहीं रोक पाए अपने आंसू कहा कि समाज में बेटी बचाओ,बेटी पढ़ाओ,बेटियों को खेलने दो,नहीं तो सृष्टि विलुप्त हो जाएगी का संदेश देते हुए कहा कि बेटियों को दुनिया में आने दो,शिक्षा,स्वास्थ्य,पोषण के साथ उन्हें अपने अधिकारों के बारे में जागरूक करने के लिये हम सभी को अपनी सोच बदलना होगा। क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सरदार पतविंदर सिंह ने आगे कहा कि बेटियों को शिक्षित कीजिये और आगे बढ़ने के अवसर दीजिये। बेटियों को पहले शिक्षा और फिर विवाह साथ ही विवाह में दहेज देना व लेना,जो कि एक सामाजिक बुराई है उसे बढ़ावा न दिया जाये,क्योंकि काफी हद तक यह मानसिकता बेटियों के भविष्य को खतरे में डाल रही है। आइये आज संकल्प लें नवरात्रि पर कन्या पूजन के साथ ही कन्या संरक्षण भी करेंगे। क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सरदार पतविंदर सिंह ने इस अवसर पर विभिन्न से हम अच्छे समाज की परिकल्पना कर पाएंगे व्यक्तिगत तौर पर जहां बच्चों की दिनचर्या एवं संगति पर नजर रखना अभिभावकों का पहला दायित्व बनता है प्रत्येक नागरिक का राष्ट्रीय धर्म है नशा गंभीर राष्ट्रीय समस्या का रूप धारण करती जा रही है। समाजसेवी राजेश थापा ने कहा कि समाज में महिलाओं का स्थान,बालिकाओं के लिए शिक्षा का महत्व,भेदभाव रहित व्यवहार,नारी सम्मान पहचान समाज में नारी के प्रति सकारात्मक सोच और महिलाओं के लिए सरकार की चलाई जा रही विभिन्न लाभकारी योजनाओं,हेल्पलाइन नंबर आदि के विषय में व्यापक रूप से चर्चा करते हुए जागरूक कियात्इस अवसर पर परमजीत सिंह,करन हांडा,कमलेश कुमार पाल,राजेश थापा,संदीप भारतीय,हरमन जी सिंह,दलजीत कौर,सरदार पतविंदर सिंह सहित कई स्वयंसेवक ने अपने विचार रखे।

गांव में ग्राम वासियों के साथ संकल्प लेते हुए शपथ दिलाई कि कन्या का हमारे समाज में सदैव विशिष्ट स्थान रहा है हमारे शास्त्रों में लिखा गया है जहां कन्या की पूजा होती है वहां देवताओं का निवास है कन्या की बेहतर शिक्षा व अवसर के साथ ही हम बेहतर समाज की कल्पना कर सकते हैं कन्या को शिक्षित करने

## 26 मार्च को जिला न्यायालय रहेगा खुलाः जिला जज,27 मार्च को जिला न्यायालय रहेगा बंद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जनपद न्यायाधीश अमित पाल सिंह ने बताया है कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुसार जिला न्यायालय में राम नवमी के उपलक्ष्य में 26 मार्च 2026 (गुरुवार) के स्थान पर 27 मार्च 2026 (शुक्रवार) को अवकाश घोषित किया जाता है। जिला न्यायालय 26 मार्च 2026 (गुरुवार) को भी कार्य के लिए खुला रहेगा। उन्होंने बताया है कि उपरोक्त के अनुपालन में इस न्यायपालिका के सभी न्यायालय 26 मार्च 2026 (गुरुवार) को न्यायिक कार्य के लिए खुले रहेंगे और राम नवमी के कारण 27 मार्च 2026 (शुक्रवार) को इस न्यायपालिका के सभी न्यायालय बंद रहेंगे।

## अचिन मेहरोत्रा के जन्मदिन पर रक्तदान शिविर का आयोजन,गौशाला में गायों को भोजन कराया, कुष्ठ आश्रम में कपड़े और राशन वितरित किए

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सीतापुर। सीतापुर। भारतीय जनता पार्टी के निवर्तमान जिला अध्यक्ष व खत्री सभा के जिला अध्यक्ष अचिन मेहरोत्रा का जन्मदिन युवाओं ने बहुत ही धूमधाम से मनाया। इस मौके पर युवाओं ने जिला अस्पताल पहुंचकर रक्तदान किया, गौशाला पहुंचकर गायों को फल खिलाएं और कुष्ठ आश्रम पहुंचकर कपड़ा और राशन वितरित किया। मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी के निवर्तमान जिला अध्यक्ष व खत्री सभा के जिला अध्यक्ष अचिन मेहरोत्रा का जन्मदिन था। इस मौके पर अचिन मेहरोत्रा के समर्थकों ने जिला अस्पताल में रक्तदान कैंप का आयोजन किया। यहां पर सचिन मेहरोत्रा व भाजपा युवा मोर्चा के जिला महामंत्री अनूप विश्वकर्मा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में युवाओं ने रक्तदान किया। इसी तरह से समर्थक सचिन मेहरोत्रा व भाजपा युवा मोर्चा के जिला महामंत्री अनूप विश्वकर्मा के नेतृत्व में चुंगी चौकी के निकट मौजूद गौशाला पहुंचे। वहां गौशाला में गायों को खीरा, ककड़ी, सब्जी आदि फल खिलाकर जन्मदिन मनाया। इसी तरह से समर्थक सचिन मेहरोत्रा, भाजपा युवा मोर्चा के जिला महामंत्री अनूप विश्वकर्मा, श्री अजय मिश्रा एवं दीपिल अरोरा जी के नेतृत्व में खैराबाद स्थित कुष्ठ आश्रम पहुंचे। यहां मौजूद परिवारों को कपड़े और राशन वितरित किए। वही बच्चों को खिलौने भी वितरित किए। यहां बता दे कि भारतीय जनता पार्टी के निवर्तमान जिला अध्यक्ष व खत्री सभा के जिला अध्यक्ष अचिन मेहरोत्रा वर्तमान समय में सीतापुर में मौजूद नहीं है। वह भारतीय जनता पार्टी का प्रचार करने के लिए इन दोनों पश्चिम बंगाल में प्रवास कर रहे हैं। बावजूद इसके उनके समर्थकों में गजब का उत्साह देखने को मिल रहा है। समर्थकों ने बड़ी धूमधाम से उनका जन्मदिन मनाया है। इस मौके पर जीतेन्द्र मेहरोत्रा, अनूप विश्वकर्मा, अजय मिश्रा, उत्तम पांडे, दिपिल अरोड़ा,अमर,सौरभ मेहरोत्रा, प्रतीक सक्सेना, दारा सिँह यादव, अलोक वर्मा, लालू, सत्यनारायण यादव, धीरज, नइम अंसारी, दानिश वर्षी, प्रतीक गुप्ता, नीरज, हरी कुमार पांडेय, अरविन्द कुमार. साहबज. प्रखर मेहरोत्रा. शुभम शर्मा. साहिल अंसारी. कामिल अंसारी. हर्ष त्रिवेदी. आदित्य विश्कर्मा. राजेश. राम जी गिहार. रोहित विश्कर्मा. वाशिक खान. ब्रज मोहन. प्रवेज. नफीस अहमद श्रीमती नेहा महेंद्र श्री नेहान मेहरोत्रा आदि मौजूद रहे।

## राष्ट्रीय नाई महासभा के जनपदीय चुनाव में रामबरन शर्मा बने जिलाध्यक्ष

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) गौरीगंज, अमेठी। मंगलवार को पंचवटी मैरिज हाल में राष्ट्रीय नाई महासभा शाखा जनपद अमेठी की चुनावी बैठक में रामबरन शर्मा निर्विरोध अध्यक्ष चुने गये। चुनावी प्रक्रिया में तीन लोगों ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया जिसके लिए पवन शर्मा फौजी रामबरन शर्मा और रामनारायण शर्मा ने निर्धारित शुल्क जमाकर चुनावी प्रक्रिया में शामिल हुए। एक व्यक्ति ने अपना नाम वापस ले लिया और वोटिंग के दौरान पवन शर्मा ने अपना समर्थन रामबरन शर्मा को कर दिया जिससे रामबरन शर्मा निर्विरोध जिलाध्यक्ष पद चुने गए। चुनावी प्रक्रिया महासभा के प्रांतीय उपाध्यक्ष घनश्याम शर्मा की निगरानी में सम्पन्न हुई। इस अवसर पर धर्मपाल शर्मा, रफीक सलमानी, रामप्रसाद फौजी, मथुरा चौधरी, अमीन साहब, राजकुमार शर्मा, सजनलाल शर्मा, लक्ष्मी कांत, मिट्ठू, धर्मराज सेन, शिवप्रसाद मास्टर, संजय शर्मा, अरुण शर्मा, राधेश्याम शर्मा, सदाशिव, गया प्रसाद, राजेंद्र प्रसाद, हरीश, विजय कुमार, विनोद कुमार, सत्यदेव, लईक सलमानी, प्रदीप शर्मा, तेजभान शर्मा प्रधान आदि लोग रहे।

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICI

ADDRESS- Naini,Prayagraj U.P-211008. PAN No. ABJPA1540R,Reg.No.03-0068604

Regd. Under Additional Director General of Police U.P. vide Reg. No. 2453
+91-7985619757,+91-7007472337

We Are Providing Security & Manpower Services in School/ University/Institute/ Hospital/Office Premises

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES:-
takes great pleasure in Providing Security arrangement and Office Staff for your Organization premises. We have with us talented and well trained Disciplined persons, each having exposure to industrial/commercial security and intelligence knowledge in their field. Our personnel's are physically fit, courageous disciplined and well trained in their field. They are bold but polite, peace loving but not coward, friendly but shrews while duty, sharp in act but very claim and affable where presence of mind is lost by the common man, ailing but smelling the red hounds, work in the common climate but vigilant and faithfully to the organization. It is on account of the above trait that our services are engaged by reputed organization which consists of Schools, University, Banks, Government, industrial Concern, Hotels, Hospitals, Educational Institutes, Housing Societies/Bungalows, Semi Government and Government Organization.

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES is registered by:-
Additional Director General of Police, (Law & Order), Deputy Labour Commissioner, Employees Provident Fund Organization, Employees State Insurance Corporation, Goods & Services Tax, MSME Registration..(Govt. of

FOR JOB CONTACT:- 9569430885

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES Manpower Category:-
Assignment Manager, Housekeeping Manager, Assignment Supervisor, Housekeeping Supervisor, Accountant, Driver, Computer Operator, Electrician, Data Entry operator, Carpenter, Clerk, Office Boy, M.T.S, Sweeper, Peon, Gardner, Computer Teacher, Agriculture Labour, TGT & PGT Teacher, Quality/Technical Manpower as per your requirement

## मैहर दामोदर रोपवे की मनमानी से यात्री हो रहे परेशान! भरे नवरात्रि मेला में 34 ट्राली की जगह 26 ट्रॉली ही क्यों?

### कम ट्राली से यात्रियों को अपनी बारी आने के लिए कई घंटों करना पड़ रहा है इंतजार,लाखो रुपए के प्रति दिन नुकसान सहने वाली समिति ने अभी तक नहीं उठाया इस मामले मे कोई कदम



(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मैहर। जबकि मां शारदा प्रबंधक समिति के अध्यक्ष कलेक्टर मैहर और प्रशासक एस डी एम मैहर है लेकिन इस मामले में जांच के लिए इनके पास कोई टेक्निकल टीम नहीं है और इस मामले में दामोदर रोपवे के टेक्नीकल टीम की सफाई और अब मामले के खुलाशा होने के बाद साक्ष्य मिटाने की तैयारी और रोपवे को क्लीन चिट देने की तैयारी की सिफारिश शुरू हो गई है जिसका जीता जागता प्रमाण सामने है कि जबतक रोपवे कंपनी खुद संचालन कर रही थी और मुनाफे का 70फीसदी की मालिक थी तब पर्याप्त मात्रा में श्रद्धालु रोपवे से यात्रा करते थें लेकिन उस समय भी कागजों में कम आकड़ा दिखाया जाता था जिससे समिति को आसानी से गुमराह किया जा सके। और वो इसमें सफल हुए और आज जब रोपवे माँ शारदा प्रबंधक समिति के हाथों मे है ओर रोपवे के प्रॉफिट का 70फीसदी हिस्सा समिति का है और रख रखाव मेंटेनेंस की देख रेख के लिए समिति ने दामोदर रोपवे को 30फीसदी का हिस्सा देती है। अब आमदनी को घटा दिखा कर समिति को चुना लगा कर रोपवे कंपनी अपना परसेंट बढ़ाना चाहती है इस मामले में सारा मामला साफ दिखाई दे रहा है मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी ने मां शारदा देवी मंदिर दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं को आसानी से दर्शन हो सके उसके लिए वीआईपी दर्शनों पर काफी विरोध के बावजूद वी आई पी दर्शन पर प्रतिबंध लगाया आज वी आई पी दर्शन के नाम पर बढ़ रहे दबाव लगभग समाप्त हो चुका है लेकिन उसके बावजूद श्रद्धालुओं को आसानी से दर्शन तो हो रहे हैं लेकिन उनकी संख्या पर लगातार कटौती हो रही है इसका एक मुख्य कारण और है स्टॉल बुकिंग पूरा खेल स्टॉल बुकिंग से खेला जा रहा है दामोदर रोपवे कंपनी श्रद्धालुओं को यात्रा के लिए देने वाली टिकट आब प्रति घंटे के हिसाब से बुक कर रही है इसका मतलब हर घंटे श्रद्धालुओं की संख्या को काउंट किया जाता है और उसके बाद टिकट बेचना बंद कर दिया जाता है इसको ऐसे समझना पड़ेगा जैसे कोई श्रद्धालु सुबह 9:00 बजे टिकट काउंटर पर गया और दामोदर रोपवे के 2:00 बजे से 3:00 दोपहर बजे तक के सारे स्टॉल फुल हो चुके हैं तो ऐसी स्थिति में उसे श्रद्धालु को सीधे 4:00 बजे का स्टाल दर्शन करने के लिए मिलेगा ऐसी स्थिति में श्रद्धालु 4:00 बजे की टिकट नहीं लेता है क्योंकि उसे अब 9:00 से लेकर 4:00 तक 6 घंटे की प्रतीक्षा करनी पड़ेगी और वह वहां से चला जाता है या अन्य किसी माध्यम से मंदिर दर्शन करने के लिए प्रयास करता है स्टॉल बुकिंग से दर्शनार्थियों को दर्शन करने में सुविधा तो मिली है लेकिन इससे श्रद्धालुओं की संख्या में कटौती भी हो रही है और सबसे बड़ा संख्या में हेर फेर का कारण भी यही से शुरू होता है। हालांकि इस मामले पर मैहर एसडीएम मां शारदा प्रबंध समिति की प्रशंसक दिव्या पटेल द्वारा मामले की जांच शुरू कर दी गई है और रुपए प्रबंधन के सभी प्वाइंटों पर निगरानी की जा रही है।

## मैहर नवरात्रि मेले में सावरी ऑटो से रंगदारी वसूलने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मैहर। कोतवाली अंतर्गत उचेहरा निवासी आवेदक से राज चौधरी उर्फ मंडली पिता प्रेम चौधरी आकाश चौधरी पिता शिवकुमार चौधरी देवराज पिता रामखेलावन साकेत तीनों निवाशी चंडीगंज कटरा मोहल्ला कोतवाली मैहर द्वारा रंगदारी की मांग कर रहे थे नहीं देने पर गंदी-गंदी गालियां एवं जान से मारने की धमकी दे रहे थे जिस पर आवेदक द्वारा रिपोर्ट कोतवाली मैहर में की आवेदक की रिपोर्ट अपराध धारा 296,115(2), 119(1), 351(3), 3/5 हे कायम किया गया आरोपियों को आज गिरफ्तार किया गया जिसे आज माननीय न्यायालय में पेश किया गया जहां माननीय न्यायालय द्वारा न्यायिक अभिरक्षा में उप जेल मैहर भेजा गया।

## पुलिस अधीक्षक सीतापुर द्वारा क्षेत्राधिकारी लहरपुर को प्रोन्नति पर अशोक स्तंभ लगाकर दी गयी शुभकामनायें

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सीतापुर। पुलिस अधीक्षक जनपद सीतापुर महोदय श्री अंकुर अग्रवाल द्वारा क्षेत्राधिकारी लहरपुर आलोक प्रसाद को अपर पुलिस अधीक्षक पद पर प्रोन्नति के अवसर पर उनके कंधे पर अशोक स्तंभ लगाया गया । इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी श्री आलोक सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी दुर्गेश सिंह भी मौजूद रहे। सभी के द्वारा उन्हें नवीन दायित्वों के प्रति उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गई।

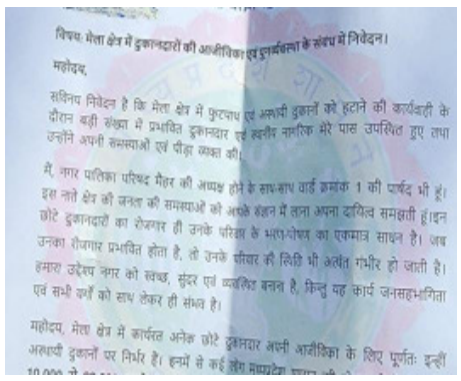

## फोर्टिस ने लाइफस्टाइल संबंधी रोगों में बढ़ोतरी से निपटने के लिए एक समग्र ओबेसिटी क्लीनिक शुरू किया




(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। मोटापे की बढ़ती समस्या से निपटने के लिए, फोर्टिस हॉस्पीटल नोएडा ने एक समग्र ओबेसिटी क्लीनिक शुरू किया है जो सामान्य से अधिक वज़न और इससे संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे लोगों को एक व्यवस्थित, मल्टीडिसीप्लीनरी केयर की सुविधा उपलब्ध कराएगा। इस ओबेसिटी क्लीनिक में उपचार के लिए आने वाले मरीजों के लिए इंटरनल मेडिसिन, जनरल सर्जरी, एंडोक्राइनोलॉजी, पिडियाट्रिक्स, पल्मोनोलॉजी, मेंटल हेल्थ तथा क्लीनिकल डायटेटिक्स एंड न्यूट्रिशन जैसे क्षेत्रों से जुड़े विशेषज्ञों द्वारा बॉडी कंपोज़िशन एनेलिसिस और पर्सनलाइज्ड़ ओबेसिटी मैनेजमेंट प्रोग्राम उपलब्ध कराए जाएंगे। यह पहल, साक्ष्य-आधारित, मरीज-केंद्रित केयर प्रदान करने के उद्देश्य से की गई है जो मोटोपे को केवल लाइफस्टाइल संबंधी चुनौती ही नहीं बल्कि ऐसी क्रोनिक मेडिकल कंडीशन के तौर पर देखती है जिसके लिए लगातार क्लीनिकल स्तर पर प्रबंधन की आवश्यकता होती है। इस क्लीनिक का शुभारंभ, डॉ अजय अग्रवाल, चेयरमैन - इंटरनल मेडिसिन, डॉ शानू शर्मा, मेडिकल डायरेक्टर, डॉ वी एस चौहान, डायरेक्टर, जनरल एमएएस एंड रोबोटिक सर्जरी, डॉ नितिन झा, डायरेक्टर - जनरल एमएएस एंड रोबोटिक सर्जरी, डॉ अनुपम बिस्वास, सीनियर कंसल्टेंट - एंडोक्राइनोलॉजी, डॉ आशीष डोडमानी, कंसल्टेंट पिडियाट्रिक्स, डॉ नमिता नादर, क्लीनिकल डायटीशियन एंड न्यूट्रिशनिस्ट तथा कैप्टन नीलम देशवाल, चीफ ऑफ नर्सिंग द्वारा फोर्टिस हॉस्पीटल, नोएडा के अन्य टीम सदस्यों के साथ मिलकर किया गया। ओबेसिटी क्लीनिक के उद्घाटन अवसर पर, डॉ अजय अग्रवाल, चेयरमैन - इंटरनल मेडिसिन, फोर्टिस हॉस्पीटल नोएडा ने कहा, 'मोटापा आज सबसे बड़ी स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक बन चुका है। लांसेट जर्नल में प्रकाशित एक वैश्विक विश्लेषण के अनुसार, भारत में वर्ष 2050 तक लगभग 44 करोड़ लोगों के मोटापाग्रस्त या ओवरवेट होने की संभावना है। मोटापा काफी जटिल, क्रोनिक, रीलैप्स होने वाला ऐसा रोग है जिसमें एडिपोज़ टिश्यू (वसा ऊतक) का अत्यधिक जमाव हो जाता है जिसकी वजह से स्वास्थ्य संबंधी अनेक परेशानियां पैदा होती हैं। दुनियाभर में इसे गैर-संक्रामक रोगों (एनसीडी) का प्रमुख कारण भी माना जाता है, जो हृदय रोगों, मेटाोलिक, कैंसर एवं मांसपेशियों एवं हड्डियों से जुड़े अनेक विकारों को जन्म देता है। ऐसे में बचाव, शीघ्र निदान और इसके प्रबंधन के लिए समुचित व्यवस्था होना काफी जरूरी है।' श्री मोहित सिंह, ज़ोनल डायरेक्टर, फोर्टिस हॉस्पीटल नोएडा ने कहा, 'मोटापा धीरे-धीरे भारत में एक प्रमुख पब्लिक हेल्थ चैलेंज बन चुका है जो सभी आयुवर्गों के लोगों को प्रभावित करता है।

फोर्टिस हॉस्पीटल नोएडा में एक समर्पित ओबेसिटी क्लीनिक के लॉन्च के साथ, हमारा उद्देश्य वेट मैनेजमेंट के लिए साक्ष्य-आधारित देखभाल के माध्यम से समग्र और मरीज-केंद्रित प्रोग्राम उपलब्ध कराना है।

हम विशेषज्ञों और मल्टीपल विशेषज्ञताओं के साथ-साथ उन्नत डायग्नॉस्टिक टूल्स तथा पर्सनलाइज्ड़ न्यूट्रिशन एवं लाइफस्टाइल संबधी मार्गदर्शन प्रदान कर, लोगों को अपनी सेहत पर नियंत्रण रखने के लिए सशक्त बनाने का इरादा रखते हैं। यह पहल प्रीवेंटिव हेल्थकेयर को बढ़ावा देने और समुदाय को अधिक सेहतमंद, तथा अधिक सस्टेनेबल लाइफस्टाइल को अपनाने में मदद करने की हमारी प्रतिबद्धता दर्शाती है।

' फोर्टिस हेल्थकेयर लिमिटेड के बारे में-फोर्टिस हेल्थकेयर लिमिटेड भारत में अग्रणी एकीकृत स्वास्थ्य सेवा प्रदाता है।

कंपनी के हेल्थकेयर वर्टिकल्स में मुख्यतः अस्पताल, डायग्नॉस्टिक्स तथा डे केयर विशेषज्ञ सेवाएं शामिल हैं। वर्तमान में, कंपनी देश भर के 12 राज्यों और संघ शासित प्रदेशों में कुल 36 हेल्थकेयर सुविधाओं (जिनमें जेवी और ओ एंड एम शामिल हैं) का संचालन करती है। कंपनी के नेटवर्क में 6,000 से अधिक ऑपरेशनल बेड्स (ओ एंड एम समेत) तथा 400 डायग्नॉस्टिक्स लैब्स शामिल हैं।

## मैहर मेला क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने से प्रभावित दुकानदारों की आजीविका का मुद्दा गरमाया, फिर से नई व्यवस्था की उठी मांग


विषय: मेला क्षेत्र में दुकानदारों की आजीविका एवं दुर्व्यवस्था के संबंध में निवेदन।

महोदय,

सविनय निवेदन है कि मेला क्षेत्र में फुटपाथ एवं अस्थायी दुकानों को हटाने की कार्यवाही के दौरान बड़ी संख्या में प्रभावित दुकानदार एवं [illegible] नागरिक मेरे पास उपस्थित हुए तथा उन्होंने अपनी समस्याओं एवं पीड़ा व्यक्त की।

मैं, नगर पालिका परिषद मैहर की अध्यक्ष होने के साथ-साथ वार्ड क्रमांक 1 की पार्षद भी हूं। [illegible]



(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मैहर। मेला क्षेत्र में फुटपाथ एवं अस्थायी दुकानों को हटाने की कार्यवाही के बाद अब छोटे दुकानदारों की आजीविका का मुद्दा तूल पकड़ने लगा है। बड़ी संख्या में प्रभावित दुकानदारों ने अपनी समस्याएं जनप्रतिनिधियों तक पहुंचाई हैं, जिसके बाद नगर पालिका परिषद मैहर की अध्यक्ष ने इस संबंध में पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री व मैहर जिले के प्रभारी मंत्री श्रीमती राधा सिंह को पत्र लिखकर हस्तक्षेप की मांग की है। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती गीता संतोष सोनी ने अपने निवेदन में बताया कि मेला क्षेत्र में वर्षों से छोटे स्तर पर व्यवसाय कर रहे सैकड़ों दुकानदारों का रोजगार पूरी तरह इन अस्थायी दुकानों पर निर्भर है। हाल ही में की गई अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई से इन दुकानदारों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। कई दुकानदारों ने शासन की योजनाओं के तहत ऋण लेकर या निजी उधारी से अपना व्यवसाय शुरू किया था, ऐसे में अचानक दुकान हटने से वे आर्थिक संकट में आ गए हैं। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि इन गरीब परिवारों के लिए नवरात्रि मेला साल का सबसे बड़ा अवसर होता है, जब वे अच्छी कमाई की उम्मीद रखते हैं। लेकिन इसी दौरान की गई कार्यवाही से उनका व्यापार पूरी तरह प्रभावित हो गया, जिससे उनके परिवारों की स्थिति दयनीय हो गई है।नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती गीता संतोष सोनी ने प्रशासन से मांग की है कि प्रभावित दुकानदारों के लिए जल्द से जल्द वैकल्पिक स्थान उपलब्ध कराया जाए, ताकि उनका रोजगार फिर से शुरू हो सके। साथ ही पुनर्व्यवस्था की प्रक्रिया दुकानदारों को विश्वास में लेकर चरणबद्ध तरीके से की जाए, जिससे किसी भी वर्ग को नुकसान न हो। उन्होंने यह भी कहा कि नगर को स्वच्छ और सुंदर बनाना जरूरी है, लेकिन इसके साथ ही आमजन की आजीविका का संरक्षण भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इस मामले में सभी संबंधित विभागों के बीच समन्वय बनाते हुए मानवीय दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। नगर के लोगों को उम्मीद है कि प्रशासन इस संवेदनशील मुद्दे पर गंभीरता से विचार करेगा और ऐसा समाधान निकालेगा जिससे नगर की व्यवस्था भी बनी रहे और गरीब दुकानदारों का रोजगार भी सुरक्षित रह सके।

## कल्याण विभाग की योजनाओं के लाभार्थियों को वितरित किए गए प्रमाण पत्र

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। उत्तर प्रदेश सरकार के नवनिर्माण के 9 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आर0डी0ए0 के सामुदायिक केंद्र, रतापुर में 09 दिवसीय मेले/प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में आज जिलाध्यक्ष भाजपा बुद्धिलाल पासी द्वारा विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों का अवलोकन किया गया तथा जिला समाज कल्याण विभाग की संचालित योजनाओं में वृद्धा व्यवस्था पेंशन के 10, अनु0जाति व सामान्य वर्ग शादी अनुदान के 07 लाभार्थियों एवं मुख्यमंत्री अभ्युदय कोचिंग के 04 अभ्यर्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किया गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष ने अपने उद्बोधन में कहा कि उ0प्र0 सरकार के 09 वर्ष पूर्ण होने पर इस कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस 09 वर्ष में मा0 मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में उ0प्र0 सरकार ने जनकल्याण के लिए अनेकों कार्य किये गये है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य है कि आम जनमानस तक सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचे और लोग उन योजनाओं का लाभ उठा सके। उन्होंने कहा कि समाज कल्याण विभाग की मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, राष्ट्रीय वृद्धा व्यवस्था पेंशन योजना, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना सहित अन्य योजनाएं संचालित है। आम जनमानस योजनाओं की जानकारी कर उसका लाभ लें तथा अपने आस-पास के लोगों को भी जागरूक कर लाभान्वित करायें। कार्यक्रम में जिला समाज कल्याण अधिकारी सृष्टि अवस्थी ने समाज कल्याण विभाग की प्रमुख योजनाओं के बारे में जिसमें प्रमुख रूप से संचालित राष्ट्रीय वृद्धा व्यवस्था पेंशन योजना, छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना एवं मुख्यमंत्री अभ्युदय कोचिंग योजना के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की।कार्यक्रम में पूर्व जिलाध्यक्ष दिलीप यादव, मुकेश श्रीवास्तव, जिला समन्वयक कौशल विकास मिशन राजीव कुमार सिंह, वंदना सिंह सहित सम्बन्धित अधिकारी व लाभार्थी उपस्थित रहे।

## डीएनडी पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया



(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। भाजपा नोएडा महानगर ने डीएनडी पर जिला अध्यक्ष महेश चौहान के नेतृत्व में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री एवं भाजपा उत्तर प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी का स्वागत किया गया। स्वागत में मुख्य रूप से गौतमबुद्ध नगर सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉक्टर महेश शर्मा तथा भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं नोएडा महानगर विधायक पंकज सिंह जी ने प्रदेश अध्यक्ष जी को जेवर जाते समय डीएनडी पर पुष्प गुच्छ भेंट कर सभी कार्यकर्ताओं के साथ उनका भव्य स्वागत किया। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी जेवर एयरपोर्ट के उद्घाटन समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की रैली की तैयारियों की समीक्षा के लिए जेवर आए हैं। जेवर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की रैली को ऐतिहासिक बनाने के लिए उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से वृहद जन संपर्क करके अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता करने का आग्रह किया। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी का डीएनडी पर भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह देखने को मिला और सभी ने गर्मजोशी के साथ उनका अभिनंदन किया। कार्यक्रम में जिला महामंत्री चंदगीराम यादव, अमित त्यागी , ओमवीर अवाना, महेश अवाना, डिम्पल आनंद, विनोद शर्मा, संजय बाली, राजकुमार बंसल, उमेश त्यागी, अशोक मिश्रा प्रमोद बहल, प्रज्ञा पाठक ,हरिओम जाटव, पंकज झा, बबलू यादव, मीनाक्षी चौहान, पुष्पा रावत, मनीष बाल्मिकि, धर्मेन्द्र गुप्ता, प्रदीप चौहान, रामकिशन यादव, मनीष तिवारी, शशिधर उपाध्याय, नीरज चौधरी, मुक्तानंद शर्मा, उमेश पहलवान, एहसान खान, मास्टर अनिल, अशोक यादव, चंद्रमा प्रधान, नरेश उपाध्याय, संदीप शर्मा, शीतल शुक्ला, रेनू बाला शर्मा, सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने सहभागिता कर कार्यक्रम को सफल बनाया। बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## टीबी मुक्त जनपद के लिए जन जागरूकता जरूरी-सीएमओ,जनपद में मनाया गया विश्व क्षय रोग दिवस

### टीबी मुक्त 89 ग्राम पंचायतों के प्रधान सम्मानित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। विश्व क्षय रोग(टीबी) दिवस के मौके पर जिलाधिकारी हर्षिता माथुर के मार्गनिर्देशन में मंगलवार को एएनएमटीसी सभागार में कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत 89 टीबी मुक्त ग्राम पंचायत को स्मृति चिन्ह और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नवीन चंद्रा ने कहा टीबी मुक्त जनपद के लिये जन जागरूकता जरूरी है। उन्होंने समारोह में उपस्थित राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के कर्मचारियों एवं जन प्रतिनिधियो से आह्वान किया गया कि लोगों को टीबी के लक्षणों, बचाव एवं उपचार के बारे में जागरूक करें जिससे कि जल्द से जल्द टीबी रोगी की पहचान कर उसका इलाज शुरू किया जा सके और संक्रमण के प्रसार को कम किया जा सके। उन्होंने बताया कि यह बीमारी किसी भी आयु वर्ग को और किसी भी वर्ग को हो सकती है। यह पूरी तरह ठीक हो जाती है। इसको लेकर भ्रांतियां हैं उन्हें दूर करने की जरूरत है। इस अवसर पर जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. अनुपम सिंह ने कहा कि इस साल विश्व स्वास्थ्य दिवस की थींम है - 'Yes! We Can End TB. Led by Bharat. Powered by Janbhagidari.' उन्होंने कहा कि यह केवल एक नारा ही नहीं बल्कि एक रणनीति और राजनीतिक प्रतिबद्धता है । देश के नेतृत्व, नई तकनीकी और सामूहिक प्रयासों से टीबी का अंत संभव है। उन्होंने बताया कि टीबी के संभावित लक्षण वाले व्यक्ति जनपद में स्वास्थ्य केंद्रो और अपने क्षेत्र में आने वाली हैंड-हेल्ड एक्स-रे मशीनो पर मुफ्त जांच का लाभ भी ले सकते हैं। 89 ग्राम पंचायतें हुईं टीबी मुक्त-लगातार तीन कैलंडर वर्ष में टीबी मुक्त रहीं दो ग्राम पंचायतों को गांधी जी कि स्वर्ण प्रतिमा और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। लगातार दो कैलंडर वर्ष में टीबी मुक्त रहीं 19 ग्राम पंचायतों को गांधी जी कि रजत प्रतिमा और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। साल 2025 में टीबी मुक्त रहीं 68 ग्राम पंचायतों को गांधी जी की कांस्य प्रतिमा और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ राकेश यादव, डॉ अरुण कुमार, डॉ शरद कुशवाहा एवं जिला पब्लिक प्राइवेट मिक्स समन्वयक मनीष श्रीवास्तव, पीएमडीटी समन्वयक अतुल कुमार, वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक के के श्रीवास्तव, वरुण देव, करुणा शंकर, ऋषिकेश, अरुण एवं वरिष्ठ प्रयोगशाला पर्यवेक्षक दिलीप कुमार, अमित कुमार राहुल आदि उपस्थित थे।

## सोनभद्र के 339 ग्राम पंचायत टीबी मुक्त, प्रधानों को मिला प्रशस्ति पत्र,वर्ष 2025 में 250 ग्राम पंचायत टीबी मुक्त हुई

### सीडीओ जागृति अवस्थी, सीएमओ डॉक्टर पीके राय और डीपीआरओ नमिता शरण ने प्रशस्ति पत्र वितरित किया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। विकास भवन परिसर में स्थित डीपीआरसी में स्वास्थ्य विभाग की ओर से विश्व क्षय रोग दिवस पर ग्राम प्रधान सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि सीडीओ जागृति अवस्थी व जिला पंचायत राज अधिकारी नमिता शरण और सीएमओ डॉक्टर पीके राय ने भारत सरकार के गाइडलाइन के अनुसार सैकड़ों ग्राम पंचायत के टीबी मुक्त बनाने में अहम भूमिका निभाने वाले ग्राम प्रधानों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। बता दें कि भारत सरकार के गाइडलाइन के अनुसार सोनभद्र की अब तक 312 ग्राम पंचायत टीबी मुक्त हो चुकी है। स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार 2025 में 250 ग्राम पंचायत टीबी मुक्त हुई है। जबकि 2024 में 76 ग्राम पंचायत टीबी मुक्त हुई थी और 2023 में 13 ग्राम पंचायत टीबी मुक्त हो चुकी है। इसमें 27 ग्राम पंचायत ऐसे जो सर्वे में दूसरी बार टीबी मुक्त हुई हैं। सीएमओ डॉक्टर पीके राय ने बताया कि जिले के करीब 339 गांव टीबी मुक्त होने हो चुके हैं। इन गांवों में पिछले एक साल से अधिक समय से टीबी के नए मरीज नहीं मिले हैं। पहले से चिह्नित मरीजों के स्वस्थ होने की दर भी अच्छी है। स्वास्थ्य विभाग अब इन गांवों को टीबी मुक्त घोषित कर दिया है। इन गांवों के प्रधानों को सम्मानित किया गया है। लगातार अभियान चलाकर नए मरीज ढूंढे जा रहे हैं तो चिह्नित मरीजों को निशुल्क दवा, खानपान के लिए एक हजार रुपये की मदद भी दी जा रही है। मरीजों को ढूंढने में मदद करने वालों को भी सरकार प्रोत्साहन राशि दे रही है। विभिन्न संगठनों, सामाजिक संस्थाओं व अन्य सक्षम लोगों से टीबी मरीजों को गोद लेकर उन्हें स्वस्थ बनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इन गांवों में पहले से चिह्नित टीबी मरीजों और उनके संपर्क में आने वालों की लगातार निगरानी कराई जा रही है। उन्होंने बताया कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा एवं केंद्रीय राज्य स्वास्थ्य मंत्री अनुप्रिया पटेल के द्वारा 100 दिवसीय टीबी खोज अभियान का शुभारंभ किया गया है। सीएमओ ने बताया कि जिले में अभियान चलाकर टीबी रोगी की पहचान करने के लिए रूपरेखा तैयार कर ली गई है। इस मौके पर जिला पंचायत राज अधिकारी नमिता शरण, एसीएमओ डॉक्टर प्रेमनाथ, डाक्टर जीएस यादव, डाक्टर गिरधारी लाल, डाक्टर कीर्ति आजाद बिंद, डीपीएम रिपुंजय श्रीवास्तव, जिला पंचायत सदस्य मोहन वुग्शवाहा, पी.पी. एम.सतीश चंद सोनकर .बिमल, अभिमन्यु दुबे, विजय यादव, अखिल मल्होत्रा, बिमल सिंह, शावेज़ अहमद, हरि मोहन आदि मौजूद रहे।

सीडीओ जागृति अवस्थी, सीएमओ डॉक्टर पीके राय और डीपीआरओ नमिता शरण ने प्रशस्ति पत्र वितरित किया

## मृतक आश्रित के परिवार को दो लाख का चेक दिया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। मंगलवार को मृतक आश्रित परिवार के सदस्यों को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत रीजनल हेड आशीष कुमार व महिला थाना प्रभारी सविता सरोज के द्वारा मृतक आश्रित के परिवार को दो लाख का चेक दिया गया। राबर्ट्सगंज के केनरा बैंक परिसर में मंडल प्रबंधक आशीष सिंह और शाखा मैनेजर और रूप से इन परिवारों को चेक दिया। मंडल प्रबंधक आशीष सिंह ने कहा कि किसी की मृत्यु की भरपाई पैसे से नही की जा सकती। पैसे से परिवार की क्षतिपूर्ति नहीं हो सकती, लेकिन सरकार से उनके बेसहारा परिवार के आर्थिक स्थिति में सुधार के लिये बीमा योजना चलाया है। जिससे परिवार के मुखिया के न रहने पर परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हो सके। इसलिये जो भी खाता धारक हैं। वे बैंक में आकर प्रधानमंत्री ज्योति बीमा योजना के अंतर्गत बीमा अवश्य करायें। बैंक ने खाताधारकों का किया बीमा-ब्रांच मैनेजर आरिफ अब्बास ने कहा कि हमारे शाखा में सुबिंद्र पाल खाता धारक थे सुबिंद्र पाल का सड़क दुर्घटना होने से मौत हो गई थी। बैंक मित्र ने खाताधारकों का बीमा किया था। उनके मौत के बाद पत्नी को दो लाख का चेक दिया गया है। अत्यंत गरीब परिवार से हैं। इस रुपये से दोनों परिवारों की आर्थिक स्थिति में सुधार आयेगी। सुबिंद्र पाल की पत्नी सुनीता पाल निवासी बहुआर को दो लाख का चेक दिया गया है। खाता धारक ने 436 रुपये सालाना का बीमा कराया था। जिसका लाभ उनके परिवार को मिला है। उन्होंने कहा कि किसी भी ग्राहक को कोई भी समस्या हो तो शाखा में आकर बात कर सकते हैं। बताया गया कि सुबिंद्र पाल की 9 जनवरी को सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। जानकारी होने पर परिजनों ने जिला अस्पताल लाया गया जहां शाखा प्रबंधक ने बताया कि करीब दो वर्ष पूर्व रविन्द्र ने बैंक मित्र शक्ति पाल के माध्यम से मात्र 436 रुपये का प्रीमियम जमा कर प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना में बीमा कराया था। मृत्यु के बाद परिजनों ने बैंक से संपर्क किया, जिस पर विभागीय औपचारिकताएं पूर्ण कर आश्रित को बीमा राशि प्रदान की गई। इस अवसर पर मंडल प्रबंधक आशीष कुमार,क्षेत्रीय कार्यालय के अधिकारी अरविंद सुमन, प्रदीप चौहान,सहायक प्रबंधक धर्मवीर सिंह, लोन अधिकारी जितेंद्र यादव, पवन कुमार गुप्ता, विश्वजीत बैंक मित्र शक्ति पाल, संदीप कुमार सहित बैंककर्मी मौजूद रहे।

## ग्रामीण क्षेत्रों में ग्रीष्म ऋतु में पेयजल समस्या/शिकायत के त्वरित निस्तारण हेतु जनपद स्तर एंव विकास खण्ड स्तर पर कन्ट्रोल रूम किये गये स्थापित-जिलाधिकारी

### कन्ट्रोल रूम के माध्यम से पेयजल समस्या का त्वरित गति से किया जायेगा निस्तारण-जिलाधिकारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी श्री बी0एन0 सिंह ने अवगत कराया है कि ग्रामीण क्षेत्रों में ग्रीष्म ऋतु में पेयजल समस्या /शिकायत के त्वरित निस्तारण हेतु जनपद स्तर एंव विकास खण्ड स्तर पर कन्ट्रोल रूम स्थापित किये गये है कन्ट्रोल रूम के माध्यम से पेयजल समस्या का निस्तारण किया जायेगा इस हेतु नोडल अधिकारी नामित गये है। कन्ट्रोल रूम में दैनिक रूप से प्राप्त होने वाली शिकायतों एंव उसके निस्तारण आख्या को निर्धारित प्रारूप पर पंजिका में दर्ज किया जायेगा। शिकायतों एवं उसके निस्तारण की सूचना निर्धारित प्रारूप पर शासन एवं राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के ई-मेल पर उपलब्ध कराया जायेगा, समस्त नोडल अधिकारी को शिकायत एंव उसके निस्तारण की सूचना तथा टैंकर संचालन की सूचना निर्धारित प्रारूप पर प्रत्येक दिन सांय 4.00 बजे तक विकास भवन में स्थित पेयजल कन्ट्रोल रूम में मेल एंव वाट्सअप के माध्यम से उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेगें।

## अनुदेशकों का सम्मान समारोह और धन्यवाद ज्ञापन सफल आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। परिषदीय अनुदेशक अनुदेशकों के प्रति सम्वेदनशील हैं और अनुदेशकों की 17,000 रुपये प्रतिमाह व कैशलेस चिकित्सा की घोषणा की है, जो 1 अप्रैल से लागू हो जायेगा। शिव कुमार मिश्रा ने कहा कि अनुदेशकों को कैशलेश चिकित्सा और बढ़ा मानदेय 17 हज़ार के लिए सरकार और एम एल सी शिक्षक को धन्यवाद दिया। बेसिक शिक्षा अधिकारी मुकुल आनंद पाण्डेय ने अनुदेशकों के कार्य की सराहना की और कहा कि बेसिक शिक्षा परिवार में सबसे कम मानदेय पाते हुए भी अनुदेशक बेसिक शिक्षा परिवार की रीढ़ हैं। इस मौके पर हरिशंकर जिला महामंत्री, संजय जिला उपाध्यक्ष, अनुपमा जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष, जिला महासचिव सरोज, जिला उपाध्यक्ष दीपक, प्रमोद जिला मंत्री, किरन जिला सचिव, अरुण कु0शर्मा जिला प्रवक्ता, स्मिता सिंह रार्वटसगंज ब्लॉक उपाध्यक्ष, सविता शर्मा, जिला कोषाध्यक्ष, जिला मिडिया प्रभारी पवन अग्रहरी, निशा कुमारी म्योरपुर ब्लॉक वरिष्ठ उपाध्यक्ष, सुनिल जायसवाल म्योरपुर ब्लॉक अध्यक्ष, विजेन्द्र कु0सिंह रार्वटसगंज ब्लॉक अध्यक्ष, अनिल घोरावल ब्लॉक अध्यक्ष, जय सिंह चतरा ब्लॉक अध्यक्ष, संजीव चोपन ब्लॉक उपाध्यक्ष, अरविन्द यादव, प्रविण, सुनिता, संजीव, निरुपमा, नशीम मुहम्मद, अखिलेश, निर्मला, ध्रुव, उपेन्द्र, बृजमोहन, प्रमिला, सुशील, मंजू, सूती, , अनिता, इजहार, बसंतु, नीतू, यसवंत आदि मौजूद थे।

## जायसवाल समाज ने मनाया जश्न, पदाधिकारियों का किया स्वागत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज स्थित पीडब्लूडी गेस्ट हाउस पर सोमवार की देर शाम जायसवाल समाज सोनभद्र की बैठक हुई। बैठक के दौरान उत्तर प्रदेश के राज्यपाल द्वारा सोनभद्र नगर पालिका परिषद के सभासद रमेश जायसवाल को मनोनीत किए जाने, आकाश जायसवाल को भारतीय जनता पार्टी सोनभद्र का जिला कोषाध्यक्ष व प्रमिला जायसवाल को जिला मंत्री बनाए जाने पर सभी ने स्वागत अभिनंदन किया।

जायसवाल समाज के पदाधिकारी एवं उपस्थित सदस्यों द्वारा इन सभी का स्वागत माल्यार्पण, अंगवस्त्रम एवं मोमेंटो देकर किया गया। इस अवसर पर आकाश जायसवाल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सोनभद्र में कार्यकर्ता के रूप में पिछले लगभग 8 वर्षों से कार्यरत हैं। जनपद में जायसवाल समाज की अहमियत को देखते हुए एवं पार्टी के प्रति उनकी निष्ठा को ध्यान में रखकर उन्हें यह पद सौंपा गया है जायसवाल समाज के हितों को ध्यान में रखते हुए पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ पार्टी द्वारा दिए गए इस जिम्मेदारी को निभाऊंगा। वहीं प्रमिला जायसवाल ने कहा कि जायसवाल समाज की एक जुटता एवं बढ़ती लोकप्रियता के साथ पार्टी में पूरी निष्ठा के साथ जुड़े रहने की बदौलत यह पद प्राप्त हुआ है इसके लिए उन्होंने पूरे जायसवाल समाज को धन्यवाद ज्ञापित किया। नगर पालिका परिषद के सभासद के लिए मनोनीत रमेश जायसवाल ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि नगर पालिका परिषद के पिछले कार्यकाल में अध्यक्ष एवं एक दो सभासद हमारे जायसवाल समाज के लोग रहे लेकिन इस बार नगर पालिका परिषद में हमारे जायसवाल समाज से कोई भी नहीं है। मुझे सभासद पद के लिए मनोनीत किए जाने में जायसवाल समाज ने अपनी मजबूती दिखाई है इसके लिए मैं आप सभी का आभारी हूं।

## जनजातीय उत्सव में गूंजा वीरता का स्वर, लोक रंगों से सजा मंच,तीन प्रांतों उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश व राजस्थान के कलाकारों ने जलवा बिखेरा

### आज होगा कार्यक्रम का समापन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार एवं जिला प्रशासन सोनभद्र के संयुक्त तत्वावधान में, संत कबीर राम स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राबर्टसगंज के सहयोग से आयोजित तीन दिवसीय जनजातीय उत्सव के दूसरे दिन मंगलवार को लोक परंपराओं की अद्भुत छटा देखने को मिली। यूपी, एमपी और राजस्थान के कलाकारों ने एक से बढ़कर एक कला का प्रदर्शन कर जलवा बिखेरा। कार्यक्रम की शुरुआत वीर रस से ओतप्रोत आल्हा गायन से हुई। रायबरेली से आयी अंजलि सिंह एवं दल ने जैसे ही स्वर छेड़ा- बारह बरिस तक कुत्ता जीवे, सोलह बरिस सियार,बरिस अठारह क्षत्रिय जीवे, आगे जीवन बेकारष्ठ पूरा वातावरण जोश, उत्साह और वीरता की भावना से भर उठा। दर्शक देर तक इस प्रस्तुति में डूबे रहे।इसके पश्चात ह्रास कुमार मारावी द्वारा रीना शैला नृत्य, सोना राम एवं दल द्वारा गरदबाजा नृत्य, राम आधार एवं दल द्वारा कर्मा नृत्य, तेजकरण एवं दल द्वारा चकरी व कालबेलिया नृत्य तथा लिखीराम ध्रुवे द्वारा गुदुम्बाजा नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियों ने जनजातीय संस्कृति की विविधता को सजीव कर दिया।कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि राधिका पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष, विशिष्ट अतिथि प्रमीला जायसवाल, जिला मंत्री, भाजपा द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। जागृति अवस्थी, मुख्य विकास अधिकारी (आई.ए.एस.), सोनभद्र की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. गोपाल सिंह, प्राचार्य संत कबीराम स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रॉबर्ट्सगंज, सोनभद्र रहे, जबकि कार्यक्रम की सम्पूर्ण परिकल्पना केंद्र निदेशक सुदेश शर्मा द्वारा की गई। कार्यक्रम का सफल संचालन आराध्या व गौरी ने किया। कार्यक्रम का समापन 25 मार्च बुधवार को होगा। इस अवसर पर विनय सिंह (सूचना अधिकारी), लियाकत अली शाह (अध्यक्ष, मुस्लिम समाज लोढ़ी), राजेश भारती (सहायक पर्यटन अधिकारी), पुष्पा सिंह (महिला मोर्चा भाजपा), राजेश कुमार पाठक एडवोकेट, चंद्रभूषण पांडेय, शमशेर बहादुर सिंह पूर्व प्रधान लोढ़ी, दिनेश बियार अपना दल, राजेश कुमार मिश्रा, विनोद कुमार जालान एवं कार्यक्रम समन्वयक मनोज कुमार सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

श्री महन्तू
अग्निशमन सुरक्षा अधिकारी बेनी, प्रयागराज
नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

# चिन्नास्वामी स्टेडियम की 11 सीटें हमेशा खाली रखी जाएंगी-स्मारक पट्टिका भी लगेगी

## आरसीबी-कर्नाटक क्रिकेट बोर्ड ने भगदड़ के मृतकों को श्रद्धांजलि दी

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (केएससीए) ने एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर हुए भगदड़ में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए खास पहल की है। दरअसल, 4 जून 2025 को आरसीबी की पहली आईपीएल ट्रॉफी जीत के जश्न के दौरान स्टेडियम के बाहर भगदड़ मच गई थी, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हुए थे। अब इस घटना की याद में

आरसीबी और केएससीए ने स्टेडियम में एक स्मारक पट्टिका (मेमोरियल प्लाक) लगाने और 11 सीटों को हमेशा खाली रखने का फैसला किया है। ये सीटें उन 11 लोगों की याद में कभी बेची नहीं जाएंगी। वहीं, स्मारक पट्टिका को स्टेडियम के एंट्री गेट के पास लगाया जाएगा, ताकि यह जगह हमेशा श्रद्धांजलि का प्रतीक बनी रहे। इसके अलावा, आईपीएल मैच से पहले पीड़ितों के नाम प्रदर्शित किए जाएंगे और एक मिनट का मौन भी रखा जाएगा, जिसमें दोनों टीमें हिस्सा लेंगी। भगदड़ हादसे के बाद जस्टिस जॉन माइकल डी कुन्हा कमेटी ने इस स्टेडियम को बड़े आयोजनों के लिए असुरक्षित बताया था, जिसके चलते यहां मैच कराने पर रोक लगा दी गई थी। इसके कारण आईसीसी महिला वर्ल्ड कप 2025 के मुकाबले भी बेंगलुरु से हटाकर नवी मुंबई में आयोजित किए गए। वहीं, घरेलू टी-20 लीग महाराजा टी-20 ट्रॉफी को भी बेंगलुरु की बजाय मैसूर में शिफ्ट करना पड़ा था। हालांकि, पिछले सप्ताह स्टेडियम को दोबारा मैचों के आयोजन की मंजूरी मिल गई है।कर्नाटक सरकार ने एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में आईपीएल 2026 के मैचों के आयोजन को मंजूरी दे दी है। यहां 28 मार्च को मेजबान रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच ओपनिंग मैच खेला जाएगा। आरसीबी ने पिछले सीजन के फाइनल में पंजाब किंग्स को 6 रन से हराकर पहली बार आईपीएल खिताब जीता था। 4 दिन पहले बीसीसीआई ने आईपीएल के शुरुआती 20 मैचों का शेड्यूल जारी किया था। इनमें से 2 मैच बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में होने हैं। शेड्यूल जारी करते समय बीसीसीआई ने कहा था कि बेंगलुरु में आईपीएल मैच सरकार की परमीशन पर निर्भर करेंगे।

# महिलाओं को होता साइलेंट हार्ट अटैक,थकान, कमजोरी भी इसका संकेत, 55 की उम्र के बाद संकेत दिखें तो तुरंत करें ये काम

नयी दिल्ली। खांसी, छींक, थकान और बुखार। ये सब सर्दी-जुकाम और फ्लू के कॉमन लक्षण हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि कई बार ये 'साइलेंट हार्ट अटैक' जैसी गंभीर समस्या का संकेत भी हो सकते हैं। मैकगिल यूनिवर्सिटी की एक स्टडी के मुताबिक 55 साल से कम उम्र की 1 से 5 महिलाओं को हार्ट अटैक के दौरान सीने में दर्द बिल्कुल नहीं होता। उन्हें बस मामूली थकान, मतली या बुखार जैसे संकेत दिखते हैं। साइलेंट हार्ट अटैक में हार्ट तक ब्लड फ्लो कम हो जाता है, लेकिन इसके संकेत हल्के या अस्पष्ट होते हैं। कई बार लोग इन लक्षणों को तनाव, थकान या फ्लू समझकर अनदेखा कर देते हैं। सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के अनुसार महिलाओं में मौत का सबसे बड़ा कारण हार्ट डिजीज है। वहीं वर्ल्ड हार्ट फेडरेशन के मुताबिक, हर साल लगभग तीन में से एक महिला की मौत दिल की बीमारी से जुड़ी होती है। इसलिए आज फिजिकल हेल्थ में हम बात करेंगे महिलाओं में साइलेंट हार्ट अटैक की। साथ ही जानेंगे कि-महिलाओं में इसके संभावित संकेत क्या हो सकते हैं? किन महिलाओं में इसका जोखिम ज्यादा होता है? सवाल जवाब के माध्यम से एक्सपर्टः डॉ. हेमंत मदान, सीनियर डायरेक्टर, कार्डियोलॉजी, नारायणा हॉस्पिटल, गुरुग्राम जी से। सवाल- साइलेंट हार्ट अटैक क्या होता है? जवाब- साइलेंट हार्ट अटैक भी एक तरह का हार्ट अटैक ही होता है। इसमें दिल तक खून और ऑक्सीजन की सप्लाई बाधित होती है। फर्क सिर्फ इतना है कि ऐसा होने पर कोई साफ संकेत दिखाई नहीं देता, न महसूस होता है। साइलेंट हार्ट अटैक होने पर आर्टरीज में रुकावट पैदा होती है, जिससे हार्ट की मांसपेशियों को नुकसान होने लगता है, लेकिन शरीर तेज दर्द के रूप में 'अलार्म' नहीं देता। कई बार यह इसलिए होता है क्योंकि नर्व्स की संवेदनशीलता कम हो जाती है। इसलिए दर्द महसूस नहीं होता या बहुत हल्का होता है। यानी अंदर से हार्ट को उतना ही नुकसान हो रहा होता है, जितना सामान्य हार्ट अटैक में होता है। बस फर्क इतना है कि शरीर आपको जोर से संकेत नहीं देता। इसलिए इसे 'साइलेंट' हार्ट अटैक कहा जाता है। सवाल- पुरुषों की तुलना में महिलाओं में साइलेंट हार्ट अटैक ज्यादा कॉमन क्यों है? जवाब- नीचे दिए पॉइंटर्स से समझिए- 1. ब्लॉकेज पैटर्न अलग होना, महिला और पुरुष में ब्लॉकेज का पैटर्न अलग-अलग होता है। पुरुषों में बड़ी आर्टरी में 'ब्लॉकेज' ज्यादा साफ होता है। महिलाओं के शरीर में बहुत छोटी-छोटी रक्त वाहिकाओं में समस्या होती है। 2. हॉर्मोन्स का फर्क- महिलाओं के शरीर में एस्ट्रोजेन हॉर्मोन काफी हद तक हार्ट को प्रोटेक्ट करता है, लेकिन मेनोपॉज के बाद उनमें यह जोखिम बढ़ जाता है। 3. दर्द महसूस करने का तरीका महिलाओं और पुरुषों में दर्द को महसूस करने का तरीका या पेन परसेप्शन भी अलग हो सकता है। महिलाओं को या तो दर्द कम महसूस होता है। या वो दर्द को इग्नोर करने की आदी होती हैं। 4. सारी स्टडीज पुरुषों पर- हार्ट अटैक को लेकर लंबे समय तक हुई सारी स्टडीज पुरुषों पर आधारित रही हैं। इसलिए हमें महिलाओं के संबंध में ज्यादा जानकारी और डेटा ही नहीं है। सवाल- महिलाओं में साइलेंट हार्ट अटैक के संभावित संकेत क्या हो सकते हैं? जवाब- महिलाओं में साइलेंट हार्ट अटैक के लक्षण अक्सर बहुत हल्के या सामान्य समस्याओं जैसे लग सकते हैं। इसलिए कई बार इन्हें पहचानना मुश्किल हो जाता है। सवाल- क्या सिर्फ थकान या कमजोरी भी साइलेंट हार्ट अटैक का संकेत हो सकती है? जवाब- हां, हार्वर्ड हेल्थ की एक रिपोर्ट के अनुसार, अचानक और बिना कारण होने वाली ज्यादा थकान भी हार्ट प्रॉब्लम की ओर इशारा करती है। वहीं हार्ट फाउंडेशन से जुड़ी एक स्टडी में कई महिलाओं ने बताया कि उन्हें हार्ट अटैक से कुछ महीनों पहले तक लगातार ज्यादा थकान महसूस हो रही थी। सवाल- क्या मानसिक तनाव या डिप्रेशन भी साइलेंट हार्ट अटैक का जोखिम बढ़ा सकता है? जवाब- हां, लंबे समय तक तनाव या डिप्रेशन रहने पर शरीर में कॉर्टिसोल और एड्रिनेलिन जैसे स्ट्रेस हॉर्मोन का लेवल बढ़ जाता है। इससे ब्लड प्रेशर और हार्ट रेट बढ़ता है और दिल पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है।सवाल- किन महिलाओं को साइलेंट हार्ट अटैक का रिस्क ज्यादा होता है? जवाब- कुछ महिलाओं में साइलेंट हार्ट अटैक का जोखिम ज्यादा हो सकता है। पॉइंटर्स से समझते हैं कि किन्हें ज्यादा रिस्क रहता है-जिन्हें आर्थराइटिस) हैं। जिन्हें पॉलीसिस्टिक ओवरियन सिंड्रोम है। जिन्हें प्रेग्नेंसी से जुड़े कॉम्प्लिकेशन्स (जैसे- प्री-एक्लेम्पिसया) हैं। जिनका ब्लड प्रेशर हाई रहता है। जिनका मेनोपॉज हो चुका है। जिनका कोलेस्ट्रॉल हाई रहता है। इन लोगों को अपनी हार्ट हेल्थ पर खास ध्यान देना चाहिए और नियमित हेल्थ चेकअप कराना चाहिए। सवाल- क्या हॉर्मोनल बदलाव (जैसे मेनोपॉज) के बाद महिलाओं में इसका खतरा बढ़ जाता है? जवाब- हां, इसका मुख्य कारण एस्ट्रोजेन हॉर्मोन का स्तर कम होना है। एस्ट्रोजेन वो हॉर्मोन है, जो प्रजनन उम्र में महिलाओं के हार्ट और ब्लड वेसेल्स की सुरक्षा करता है। इसके अलावा हॉर्मोनल बदलाव शरीर के 'पेन सिग्नल' को भी प्रभावित कर सकते हैं। सवाल- साइलेंट हार्ट अटैक का कोई भी संकेत दिखने पर महिलाओं को तुरंत क्या करना चाहिए? जवाब- इस स्थिति में सबसे जरूरी है कि बिना देर किए तुरंत मेडिकल मदद ली जाए और नजदीकी अस्पताल में जाकर हार्ट से जुड़ी जांच कराई जाए। पॉइंटर्स से समझते हैं- सांस फूले या अचानक बहुत असहजता महसूस हो तो इसे इग्नोर न करें। लक्षण दिखने पर तुरंत एम्बुलेंस बुलाएं या किसी की मदद से अस्पताल पहुंचें। अपने लक्षणों के बारे में किसी करीबी या आसपास मौजूद व्यक्ति को तुरंत जानकारी दें। अगर घर में अकेले रहते हैं तो पैनिक बटन लगवाकर रखें। ऐसी किसी भी इमरजेंसी कंडीशन में पैनिक बटन दबाएं। अगर घर में एस्पिरिन (300एमजी) है तो एक गोली चबा लें। इसे निगलें नहीं, धीरे-धीरे चबाएं। दरअसल एस्पिरिन एक ब्लड थिनर है, जो क्लॉट को बढ़ने से रोकता है। कहीं बैठकर पीठ टिकाएं, पैर जमीन पर रखें। इस दौरान लेटना या घूमना खतरनाक हो सकता है। ऐसी कंडीशन में बहुत आराम से धीरे-धीरे सांस लें। सवाल- डॉक्टर साइलेंट हार्ट अटैक का पता लगाने के लिए कौन से टेस्ट करते हैं? जवाब- साइलेंट हार्ट अटैक का पता लगाने के लिए डॉक्टर कई तरह की जांचें करते हैं, जिनसे हार्ट

कंडीशन और धमनियों में ब्लॉकेज का पता लगाया जा सकता है। जैसे- ब्लड टेस्ट- ब्लड टेस्ट में ट्रॉपोनिन जैसे प्रोटीन चेक किए जाते हैं, जो दिल की मांसपेशियों के अंदर होते हैं। जब हार्ट को नुकसान होता है, तो ये खून में बढ़ जाते हैं। ईसीजी- यह टेस्ट हार्ट की इलेक्ट्रिकल गतिविधि को रिकॉर्ड करता है और हार्ट अटैक के संकेत दिखा सकता है। कार्डियक कैथेटराइजेशन और कोरोनरी एंजियोग्राफी- इसमें एक पतली ट्यूब के जरिए हार्ट की आर्टरीज में डाई डालकर एक्स-रे से ब्लॉकेज या संकुचन देखा जाता है।सीटी स्कैन - यह दिल और कोरोनरी आर्टरीज में ब्लॉकेज या कैल्शियम जमाव का पता लगाने में मदद करता है। एमआरआई - इससे हार्ट मसल्स की संरचना और किसी पुराने नुकसान का पता लगाया जा सकता है। एक्सरसाइज स्ट्रेस टेस्ट- इस टेस्ट में ट्रेडमिल या एक्सरसाइज के दौरान हार्ट की कार्यक्षमता और ब्लड फ्लो को जांचा जाता है। न्यूक्लियर स्ट्रेस टेस्ट- इस टेस्ट में एक विशेष रेडियोएक्टिव ट्रेसर की मदद से हार्ट तक ब्लड फ्लो को देखा जाता है। इकोकार्डियोग्राम - यह अल्ट्रासाउंड आधारित टेस्ट है, जिससे हार्ट के वाल्व और पंपिंग क्षमता का आकलन किया जाता है। सवाल- अगर किसी महिला को डायबिटीज या हाई ब्लड प्रेशर है तो क्या उसे अतिरिक्त सावधान रहना चाहिए? किस तरह की सावधानियां जरूरी हैं? जवाब- हां, ऐसी महिलाओं को हार्ट अटैक का खतरा ज्यादा हो सकता है। इसलिए उन्हें खास सावधानी बरतनी चाहिए। पॉइंटर्स से समझते हैं कि उन्हें किस तरह की सावधानी बरतनी चाहिए- ब्लड शुगर और ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में रखें। समय-समय पर हार्ट हेल्थ की जांच कराएं। संतुलित और हेल्दी डाइट लें। शारीरिक गतिविधि करते रहें। रोजाना हल्की-फुल्की एक्सरसाइज करें। धूम्रपान और शराब से दूर रहें। पर्याप्त नींद लें। तनाव कंट्रोल करें। कोई भी समस्या होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। सवाल- क्या साइलेंट हार्ट अटैक जानलेवा भी हो सकता है? जवाब- हां, इसमें लक्षण साफ नहीं होते। इसलिए कई बार लोगों को पता ही नहीं चलता कि उन्हें हार्ट अटैक हुआ है। ऐसे में समय पर इलाज न मिलने से हार्ट को ज्यादा नुकसान पहुंच सकता है।

इसके कारण गंभीर कॉम्प्लिकेशन हो सकते हैं और कई मामलों में मौत का रिस्क हो सकता है। सवाल- अगर साइलेंट हार्ट अटैक का समय पर इलाज न हो तो इसके क्या खतरे हो सकते हैं? जवाब- अगर साइलेंट हार्ट अटैक का समय पर इलाज नहीं होता, तो इसके कई गंभीर परिणाम हो सकते हैं, जैसे- हार्ट की मांसपेशियों को स्थायी नुकसान। हार्ट फेलियर का रिस्क। फेटल हार्ट अटैक का रिस्क। कार्डियक अरेस्ट का रिस्क। एरिथमिया (असामान्य धड़कन)। इस्केमिक स्ट्रोक। सवाल- साइलेंट हार्ट अटैक से बचाव के लिए लाइफस्टाइल में क्या बदलाव जरूरी हैं? जवाब- साइलेंट हार्ट अटैक से बचाव के लिए सबसे जरूरी है कि दिल की सेहत का ध्यान रखा जाए और लाइफस्टाइल को हेल्दी बनाया जाए।

# क्या आपके यहां भी कबूतरों का निवास हैं तो हो जाये अलर्ट जाने क्यों कोर्ट ने कबूतरों को दाना चुगाना परेशानी बनता है कहा था

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा कि कबूतरों के झुंड को दाना डालना सार्वजनिक रूप से परेशानी पैदा करने वाला है। यह मुद्दा जन स्वास्थ्य से जुड़ा है और सभी उम्र के लोगों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर और संभावित खतरा है। 30 जुलाई को जस्टिस जीएस कुलकर्णी और जस्टिस आरिफ डॉक्टर की बेंच ने पशु प्रेमियों की दायर याचिका पर सुनवाई की। कोर्ट ने मुंबई नगर निगम को दाना डालने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का भी निर्देश दिया। इसके अलावा कोर्ट ने बीएमसी को शहर के कबूतरखानों में कबूतरों के जमावड़े को रोकने के लिए सभी जरूरी कदम उठाने और कड़े उपाय लागू करने का निर्देश भी दिया। दरअसल, 3 जुलाई को इसी मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने बीएमसी को किसी भी पुराने विरासती कबूतरखाने को ध्वस्त करने से रोक दिया था, लेकिन कहा था कि दाना डालने की अनुमति नहीं दे सकती। पल्लवी पाटिल, स्नेहा विसारिया और सविता महाजन ने याचिका में दावा किया था कि बीएमसी का यह काम पशु क्रूरता निवारण अधिनियम का उल्लंघन करता है।सुनवाई के दौरान कोर्ट की बड़ी बातें...अनुमति न मिलने के बावजूद लोग कबूतरखानों में कबूतरों को दाना डालना जारी रखे हुए हैं। अब यह स्थिति और भी जटिल हो गई है, क्योंकि पिछले आदेश में याचिकाओं को खारिज कर दिया गया था। नगर निगम के अधिकारियों को अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने से रोका जा रहा है। कानून की अवहेलना की जा रही है। हम बीएमसी को ऐसे किसी भी व्यक्ति और समूहों के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति देते हैं।महाराष्ट्र सरकार ने 3 जुलाई 2025 को विधायी सदन में घोषणा की कि मुंबई के सभी 51 कबूतरखानों को तत्काल बंद किया जाएगा। उसी दिन बीएमसी को निर्देशित किया गया कि सारे फीडिंग स्पॉट बंद होने के बाद वहां पर दाना डालने वालों के खिलाफ 500 का जुर्माना लगाया जाए।

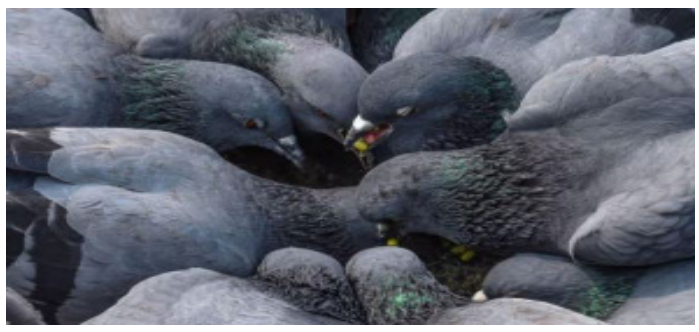

# राजस्थान रॉयल्स 15 हजार करोड़ में बिकी,भारतीय मूल के अमेरिकी बिजनेसमैन ने खरीदी टीम

नयी दिल्ली। आईपीएल की पहली चैंपियन राजस्थान रॉयल्स को नए मालिक मिल गए हैं। पिछले कुछ महीनों से चली आ रही प्रक्रिया के बाद आखिरकार 1.63 बिलियन डॉलर यानि करीब 15,289 करोड़ रुपए की रिकॉर्ड बोली के साथ राजस्थान रॉयल्स की बिक्री फाइनल हो गई है। भारतीय मूल के अमेरिकी बिजनेसमैन काल सोमानी और उनके कॉन्सोर्टियम ने फ्रेंचाइजी के लिए ये सबसे बड़ी बोली लगाई है, जिसे मंजूर कर लिया गया है। 2008 में जब राजस्थान रॉयल्स को खरीदा गया था, तब इसकी कीमत सिर्फ 67 मिलियन डॉलर थी, जो उस समय लगभग रु260-270 करोड़ के

आसपास बैठती थी। अगर उसी 67 मिलियन डॉलर को आज की वैल्यू में देखा जाए, तो यह करीब रु628 करोड़ बनता है। अब 2026 में यही फ्रेंचाइजी करीब 1.63 बिलियन डॉलर (लगभग रु15,289 करोड़) में बिकी है। यानी, मौजूदा वैल्यू की तुलना 2008 की आज की कीमत (रु628 करोड़) से करें, तो राजस्थान रॉयल्स की कीमत में करीब 24 गुना का उछाल आया है।काल सोमानी टेक्नोलॉजी और निवेश जगत का बड़ा नाम हैं। उन्होंने एड-टेक, डेटा प्राइवेसी, एआई गवर्नेंस और स्पोर्ट्स टेक जैसे क्षेत्रों में कई वैश्विक कंपनियां खड़ी की हैं। इस डील के साथ उनका खेल जगत में निवेश और मजबूत हो गया है। सोमानी 2021 से फ्रेंचाइजी में इन्वेस्टर हैं काल सोमानी पहले से ही राजस्थान रॉयल्स में इन्वेस्टर थे। 2021 में उन्होंने फ्रेंचाइजी में एंट्री ली थी। सोमानी ने तब कहा था- हमें इस निवेश में बहुत बड़ी संभावना दिख रही है और हम आईपीएल के भविष्य को लेकर उत्साहित हैं। शेन वॉर्न की कप्तानी में राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल का पहला सीजन 2008 में जीता था। लेकिन उसके बाद टीम का प्रदर्शन नीचे जाने लगा। उसके बाद से टीम सिर्फ एक बार 2022 में फाइनल में पहुंची है। तब गुजरात टाइटंस के खिलाफ फाइनल मुकाबले में उसे हार मिली। फ्रेंचाइजी को 2016 और 2017 में बैन भी होना पड़ा था।

# एक डोनर बचा सकता है 8 जिंदगी, अंगदान से जुड़ी शर्तें और प्रोसेस जानें

नयी दिल्ली। समझेंगे एक्सपर्ट डॉ. प्रशांत विलास भंगुई, डायरेक्टर, लिवर ट्रांसप्लांट, मेदांता जी से सवाल जवाब के माध्यम से। आज दुनियाभर में 'वर्ल्ड ऑर्गन डोनेशन डे' मनाया जा रहा है। इस दिन का उद्देश्य लोगों को अंगदान के महत्व के प्रति जागरूक करना और यह समझाना है कि कैसे एक व्यक्ति की पहल कई जिंदगियों को नई सांसें दे सकती है। भारत में हर साल लाखों लोग ऐसे होते हैं, जिन्हें लिवर, किडनी, हार्ट या आंखों जैसे अंगों की सख्त जरूरत होती है, लेकिन समय पर डोनर न मिलने के कारण उनकी जान चली जाती है। जबकि एक ब्रेन डेड व्यक्ति के अंग करीब 8 लोगों की जान बचा सकते हैं। भारत में मानव अंग और ऊतक प्रत्यारोपण अधिनियम, 1994 जैसे कानून बनाए गए हैं।

सरकार की ओर से समय-समय पर जागरूकता अभियान चलाए जाते हैं, ताकि इस नेक काम को लेकर फैली भ्रांतियों को दूर किया जा सके। तो चलिए, जरूरत की खबर में आज जानते हैं कि कौन अंगदान कर सकता है? साथ ही जानेंगे कि- अंगदान करने का प्रोसेस क्या है? किन-किन अंगों का डोनेशन संभव है?सवाल- ऑर्गन डोनेशन क्या है? जवाब- जब हमारे शरीर का कोई अंग खराब हो जाता है और वो काम करना बंद कर देता है, तब उस अंग की जगह किसी दूसरे व्यक्ति का स्वस्थ अंग लगाया जाता है। इसे ऑर्गन ट्रांसप्लांट कहते हैं। अगर कोई व्यक्ति अपने शरीर का अंग किसी जरूरतमंद को देता है तो उसे अंगदान (ऑर्गन डोनेशन) कहते हैं। सवाल- भारत में ऑर्गन ट्रांसप्लांट की जरूरत और उपलब्धता के बीच कितना बड़ा अंतर है? जवाब- भारत में जिन मरीजों को ऑर्गन ट्रांसप्लांट की जरूरत होती है और जितने ट्रांसप्लांट असल में किए जाते हैं, उनके बीच बहुत बड़ा फर्क है। सवाल- ऑर्गन और टिश्यू डोनेशन में क्या अंतर है? जवाब- ऑर्गन यानी शरीर का बड़ा और पूरा अंग, जिसके सही तरीके से काम करने पर हमारी जिंदगी टिकी होती है। जैसे दिल, फेफड़े, किडनी, लिवर। इनमें खराबी आ जाए तो इंसान की जान खतरे में पड़ सकती है और इन्हें बदलने के लिए ऑर्गन ट्रांसप्लांट की जरूरत पड़ती है। टिश्यू यानी ऊतक, जो किसी अंग का छोटा-सा हिस्सा या परत होते हैं। ये कई कोशिकाओं से मिलकर बने होते हैं और शरीर को खास काम करने में मदद करते हैं। जैसेकि- कॉर्नियाः आंख का पारदर्शी हिस्सा, जो रोशनी अंदर जाने देता है। स्किनः त्वचा, जो शरीर को ढकती और बचाती है। हार्ट वॉल्वः दिल के अंदर का हिस्सा, जो खून के फ्लो को कंट्रोल करता है। सवाल- कौन-कौन से अंग और टिश्यू दान किए जा सकते हैं? जवाब- अंगदान सिर्फ दिल या किडनी देने तक सीमित नहीं है। जब कोई व्यक्ति अंगदान करता है तो उसके शरीर से कई अंग और ऊतक ऐसे निकल सकते हैं, जो जरूरतमंद मरीजों की जान बचा सकते हैं या उनकी जिंदगी को बेहतर बना सकते हैं। कुछ अंग सीधे जीवन बचाते हैं, जबकि कुछ टिश्यू जीवन की क्वालिटी सुधारते हैं। जैसे देखने की क्षमता लौटाना या जलने के घाव भरना। सवाल- शरीर का कौन सा अंग कब तक ट्रांसप्लांट किया जा सकता है। जवाब- हर अंग का एक निश्चित समय होता है, जिसके भीतर उसे ट्रांसप्लांट किया जाना जरूरी होता है। आइए समझते हैं कि कौन-सा अंग कितने समय में ट्रांसप्लांट किया जा सकता है। सवाल- क्या अंगदान केवल मौत के बाद ही किया जा सकता है? जवाब- अंगदान सिर्फ मौत के बाद ही नहीं, बल्कि जिंदा रहते भी किया जा सकता है। हालांकि जीवित व्यक्ति सभी अंग नहीं दे सकता है। वह सिर्फ कुछ अंग या उनका हिस्सा ही दान कर सकता है। अंगदान के दो तरीके होते हैं। लिविंग डोनर- जो व्यक्ति

जिंदा रहते किसी जरूरतमंद को एक किडनी या अपने लिवर का एक हिस्सा देता है। ऐसा इसलिए संभव है क्योंकि इंसान एक किडनी के साथ भी जी सकता है और लिवर में खुद को दोबारा विकसित करने की क्षमता होती है। डिसीज्ड डोनर- जब किसी व्यक्ति को ब्रेन डेड घोषित कर दिया जाता है (यानी मस्तिष्क हमेशा के लिए काम करना बंद कर देता है) तब उसके परिवार की सहमति से उसके अंग निकाले जाते हैं।सवाल- अगर कोई व्यक्ति अंगदान (ऑर्गन डोनेशन) करना चाहता है तो उसकी क्या प्रक्रिया है? जवाब- अंगदान करने की प्रक्रिया बहुत आसान है, इसके लिए आप इन स्टेप्स को फॉलो कर सकते हैं। स्टेप 1: किसी सरकारी या भरोसेमंद संस्था की वेबसाइट पर जाएं। स्टेप 2: वहां से डोनर फॉर्म डाउनलोड करें। यह बिल्कुल मुफ्त होता है। स्टेप 3: फॉर्म को ध्यान से पढ़कर अपनी पूरी जानकारी के साथ भरें। स्टेप 4: फॉर्म पर दो लोगों के हस्ताक्षर (साक्षी के रूप में) जरूरी हैं, जिनमें से एक आपका नजदीकी रिश्तेदार होना चाहिए। स्टेप 5: फॉर्म जमा करने के बाद आपका रजिस्ट्रेशन होगा और आपको डोनर कार्ड जारी किया जाएगा। स्टेप 6: यह कार्ड आपके पते पर डाक से भेजा जाएगा। इसे अपने पास सुरक्षित रखें। स्टेप 7: अपने परिवार और करीबी लोगों को जरूर बताएं कि आपने अंगदान के लिए रजिस्ट्रेशन किया है, ताकि सही समय पर वे अस्पताल को जानकारी दे सकें। अगर किसी ने पहले से रजिस्ट्रेशन नहीं करवाया है तब

भी मौत के बाद अंगदान संभव है। इसके लिए परिवार की अनुमति जरूरी होती है। सवाल- ऑर्गन डोनेट करने के लिए कौन-कौन सी जरूरी शर्तें होती हैं?जवाब- ऑर्गन डोनेशन एक सेंसिटिव और कानूनी प्रक्रिया है। इसे करते समय न सिर्फ मेडिकल जांच जरूरी होती है, बल्कि कानूनी और नैतिक शर्तों का भी पालन करना होता है। ताकि डोनेशन पारदर्शिता और सुरक्षा के साथ हो सके।सवाल- भारत में ऑर्गन डोनेशन को बढ़ावा देने के लिए सरकार क्या कदम उठा रही है? जवाब- भारत सरकार ने अंगदान को आसान, सुरक्षित और ज्यादा लोगों तक पहुंचाने के लिए कई कदम उठाए हैं। जैसेकि- 1994 में मानव अंग और ऊतक प्रत्यारोपण अधिनियम लागू किया गया। इसमें ब्रेन डेड व्यक्ति के अंग दान की अनुमति और अंगों की खरीद-बिक्री पर पूरी तरह रोक हैं। नेशनल ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गनाइजेशन देशभर में अंगों के सही और निष्पक्ष वितरण की देखरेख करता हैं। लोग अब इंटरनेट से आसानी से अंगदान के लिए रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। सरकार और एनजीओ टीवी, रेडियो और सोशल मीडिया के जरिए अंगदान के फायदे और महत्व बताते हैं।हर साल 27 नवंबर को राष्ट्रीय अंगदान दिवस मनाया जाता है। मृत डोनर से अंग पाने की 65 साल की उम्र सीमा खत्म की गई। ट्रांसप्लांट के लिए अब किसी भी राज्य में डोमिसाइल सर्टिफिकेट जरूरी नहीं। ब्रेन डेड मरीज की जानकारी तुरंत प्राधिकरण को देना अनिवार्य है, जिससे अंग समय पर जरूरतमंद तक पहुंच सके।

# राज्यसभा चुनावों ने भाजपा को और मजबूत बनाया है

इस साल राज्यसभा के द्विवार्षिक चुनाव सामान्य से अधिक चर्चा में रहे। चूंकि 37 सीटों में से 26 उम्मीदवार

निर्विरोध चुने गए तो प्रथमदृष्टया लग सकता था कि चुनाव साधारण रहे होंगे। लेकिन ये एक तरीके से भाजपा का शो बन गए। पार्टी को उसकी जरूरत से भी ज्यादा सीटें मिल गईं। इसमें बिहार, ओडिशा और हरियाणा में हुई क्रॉस वोटिंग का अहम योगदान रहा, जिसने सीधे-सीधे विपक्षी दलों को नुकसान पहुंचाया। चुनावों ने ये भी दिखाया कि भाजपा की अपने उम्मीदवारों को सशक्त बनाने और विरोधियों को कमजोर करने की दोधारी रणनीति का मुकाबला करने में विपक्ष विफल रहा। लेकिन चुनावों का असली महत्व तो नीतीश कुमार के अप्रत्याशित नामांकन और शरद पवार के फिर से राज्यसभा में जाने में था। और इसी में भाजपा की सफलता की कहानी छिपी है। नीतीश और पवार, दोनों ही भारतीय राजनीति के दिग्गज हैं। दोनों ही अपने-अपने राज्यों में कई बार मुख्यमंत्री और केंद्र सरकार में मंत्री भी रह चुके हैं। यहां तक कि दोनों को कभी प्रधानमंत्री पद का दावेदार तक माना जाता था। दोनों ही आज स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे हैं। भाजपा काफी समय से 'पाटलिपुत्र' की गद्दी पर नजरें गढ़ाए थी। वह तो 2025 का बिहार चुनाव भी नीतीश के नेतृत्व में लड़ने से हिचकिचा रही थी, लेकिन बाद में उसे मानना पड़ा।चूंकि चुनाव नीतीश के नाम पर जीता गया और जदयू ने अपनी सीटें लगभग दोगुनी कर लीं तो भाजपा ने भी उन्हें ही मुख्यमंत्री बनाए रखने का निर्णय किया- भले ही वह 89 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी थी, जबकि नीतीश के पास 85 सीटें थीं। हालांकि यह सभी को पता था कि मौका मिलते ही भाजपा पटना में नेतृत्व परिवर्तन का प्रयास करेगी और मुख्यमंत्री की कुर्सी पर अपना कोई नेता बैठाएगी।? बिहार भाजपा का ड्रीम प्रोजेक्ट था, जहां वह कभी सरकार नहीं बना पाई थी। लेकिन बदलाव इतनी जल्दी होगा, इसकी उम्मीद कम थी। सबसे जटिल मसला यह था कि नीतीश को कैसे हटने के लिए राजी किया जाए? क्योंकि अपने मुख्यमंत्री पद को बरकरार रखने के लिए ही तो वे इतनी मशक्कत करते आ रहे थे। पटना की गद्दी पर बने रहने के लिए ही उन्होंने कई बार गठबंधन बदले थे। भाजपा की सफलता केवल यही नहीं है कि उसने नीतीश को बिहार से अपदस्थ कर दिया, बल्कि यह है कि ऐसा उसने स्वयं नीतीश की सहमति से किया। नीतीश ने खुद कहा कि वे अब राज्यसभा का अनुभव लेना चाहते हैं। लेकिन बेटे निशांत को उपमुख्यमंत्री पद देना ही उनके कुर्सी छोड़ने का कारण नहीं हो सकता। नीतीश पूर्व समाजवादी हैं और परिवारवाद के खिलाफ रहे राम मनोहर लोहिया व कर्पूरी ठाकुर के अनुयायी रहे हैं। वे चाहते तो बेटे को कभी भी राजनीति में ला सकते थे, लेकिन उन्होंने कभी ऐसा नहीं किया। वैसे याद रहे कि इस समय जदयू के 12 लोकसभा सांसद भाजपा के लिए बेहद अहम हैं। चूंकि भाजपा 240 सांसदों के साथ लोकसभा में अल्पमत में है, इसलिए वह अपने सहयोगियों पर निर्भर है। वह सुनिश्चित करना चाहेगी कि लोकसभा में उसकी सीटों के गणित को किसी प्रकार का खतरा नहीं हो। शरद पवार का निर्विरोध निर्वाचन भी इसी परिप्रेक्ष्य में गौरतलब है। भाजपा ने उनके खिलाफ उम्मीदवार नहीं उतारा, जैसे उसने बिहार और ओडिशा के विपक्षी दलों के सामने उतारे थे। इसी से उन राज्यों में क्रॉस वोटिंग हुई और विपक्ष हारा। पवार को महा विकास अघाड़ी ने राज्यसभा के लिए नामित किया था। इसके तीन दलों में एनसीपी (एसपी) सबसे छोटी सहयोगी है। बाकी दो दल कांग्रेस और शिवसेना (यूबीटी) हैं। इस फैसले ने सभी को चौंकाया, क्योंकि पवार तो संन्यास लेने की बात कर रहे थे। ऐसे में शिवसेना को चिंता है कि भविष्य में पवार एनडीए की सहयोगी एनसीपी के करीब जा सकते हैं, जिसका नेतृत्व दिवंगत अजित पवार कर रहे थे। सभी जानते हैं कि शरद और अजित गुट के बीच विलय की बातचीत चल रही थी। महा विकास अघाड़ी ने शायद यह सोचते हुए पवार को उम्मीदवार बनाया कि उन्हें पर्याप्त समर्थन मिल जाएगा, जबकि किसी अन्य का भाजपा विरोध कर सकती है। भाजपा के इस सद्भावना भरे रवैए से लग रहा है कि उसे उम्मीद है शरद पवार की पार्टी के आठ सांसद भी जरूरत पड़ने पर रिजर्व फोर्स की तरह लोकसभा में उसके काम आ सकते हैं। कुल मिलाकर, नीतीश का राज्यसभा जाना उन्हें और जदयू पर उनकी पकड़ को कमजोर करने वाला है। जबकि पवार का दोबारा राज्यसभा में जाना उन्हें और उनकी पार्टी को मजबूती देगा। और ये दोनों ही कदम अंततः भाजपा को और ताकतवर करेंगे।बिहार, ओडिशा और हरियाणा में हुई क्रॉस वोटिंग ने विपक्षी दलों को नुकसान पहुंचाया। भाजपा की अपने उम्मीदवारों को सशक्त बनाने और विरोधियों को कमजोर करने की दोधारी रणनीति का मुकाबला करने में विपक्ष विफल रहा। (ये लेखिका के अपने विचार हैं। नीरजा चौधरी)

# लोगों की आवाजाही ना सिर्फ परिवहन बल्कि समग्र विकास को भी बढ़ाती है

इस रविवार की शाम मैं पूर्वोत्तर के ऐसे व्यक्ति से मिला, जो 28 सितंबर से 2 अक्टूबर के बीच होने

वाले दुर्गापूजा महोत्सव के लिए मुम्बई से सिलीगुड़ी जाना चाहते थे। उन्होंने अपना पूरा दिन इस योजना में बिता दिया कि कैसे सस्ती यात्रा की जाए। मैंने उनसे पूछा कि चंद टिकट बुक करने में इतना समय क्यों लगा? उन्होंने मुझे उन फ्लाइट की कीमतों के बारे में बताया, जिनसे पहले वो ससुराल वालों से मिलने कोलकाता और फिर अपने माता-पिता के पास सिलीगुड़ी जाना चाहते थे। 17 सितंबर तक कोलकाता की फ्लाइट टिकट करीब 4098 रुपए की है, जो धीरे-धीरे दोगुनी हो रही है और मुख्य पूजा के आसपास पांच अंकों में पहुंच जाती है। बस बुकिंग ऐप के अनुसार, दुर्गा पूजा से पहले कोलकाता से सिलीगुड़ी की बस यात्रा भी आपको 4 से 5 हजार रु. के बीच पड़ सकती है। इन बसों का नियमित किराया 1300 से 1500 रु. के बीच है। जबकि सप्ताहांत समेत पीक अवधि में 1800 से 2500 रु. में टिकट मिल पाते हैं। वो व्यक्ति योजना बना रहा था कि अपने परिवार को तो 17 सितंबर से पहले भेज देगा और खुद मुख्य पूजा के दिनों में जाएगा। वापसी में भी परिवार अलग-अलग तारीखों पर यात्रा करेगा, क्योंकि वीकेंड में 4-5 अक्टूबर को किराया बहुत अधिक है। और उन्हें 6 अक्टूबर को काम पर लौटना है। चूंकि ट्रेन की बर्थें पहले ही बुक हो चुकी हैं, इसलिए उनके जैसे कई लोग कड़ी मेहनत कर रहे हैं, ताकि उत्सव के दिनों में परिवार समेत गृहनगर पहुंच पाएं और फिर वापस देश के पश्चिमी या दक्षिणी राज्यों में काम पर लौट सकें। 574 किमी लंबे कोलकाता से सिलीगुड़ी मार्ग के लिए वोल्वो बस का किराया 8 रुपए प्रति किमी से अधिक है। टिकट की कीमत 5 हजार रुपए है। यदि कोलकाता से इंदौर मार्ग से इसकी तुलना करें तो इसी वोल्वो में 24 से 26 सितंबर के बीच किराया 3800 रुपए है, जो 1620 किमी की यात्रा के लिए 2.3 रुपए प्रति किमी पड़ता है। यहां तक कि 1940 किमी लंबाई वाले देश के सबसे लंबे मार्गों में से एक जोधपुर-बेंगलुरु रूट पर भी वोल्वो का किराया 2550 रुपए है, जो महज 1.3 रुपए प्रति किमी पड़ता है। बीते पांच दशक में भारतीय निजी बस उद्योग में जबरदस्त बढ़ोतरी देखी गई है। 1961 में निजी क्षेत्र में जहां सिर्फ 38 हजार बसें चलती थीं, वहीं 2019 तक यह संख्या बढ़कर 18.9 लाख से अधिक हो गई। 60 साल से भी कम समय में 47 गुना की बढ़ोतरी हुई है।2019 तक भारत की सड़कों पर चलने वाली 93 प्रतिशत से अधिक बसें निजी क्षेत्र में थीं, जिनमें 6.64 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर भी देखी गई। 2026 तक इनकी कीमत 1.04 लाख करोड़ रुपए होना अनुमानित है। भारत के विभिन्न क्षेत्रों में बस किरायों में अंतर साफ दिखता है। बेंगलुरु से चेन्नई के लिए एक एसी सीटर बस का किराया महज 400 रुपए हो सकता है (दूरी 347 किमी)। उत्तर की ओर जाएं तो दिल्ली-लुधियाना मार्ग का किराया सामान्य रूप से 550 रुपए है (दूरी 307 किमी)। लेकिन यदि पूर्व में देखें तो गुवाहाटी-डिब्रूगढ़ मार्ग का किराया 650 रुपए या इससे कुछ अधिक है (दूरी 279 किमी)। ये सभी दरें अनुमानित हैं। इस असमानता का कारण क्या है? जवाब है- ग्राहक की मांग और बाजार की आपूर्ति। चूंकि पूर्वोत्तर राज्य रोजगार के पर्याप्त अवसर मुहैया नहीं करा पा रहे हैं तो उन्हें चाहिए कि भले वे स्थानीय लोगों को रियायती यात्रा ना दें, लेकिन उचित कीमत पर परिवहन तो उपलब्ध कराएं। ताकि वहां की आबादी दूसरे राज्यों में जाकर जीवनयापन कर सके।

# राज्यसभा सभापति खिलाड़ी नहीं, अम्पायर की तरह हों

चौदह साल पहले दिल्ली की वो उमस भरी सुबह मुझे आज भी याद है। जीवन में पहली बार

मैं संवैधानिक पद पर बैठे किसी व्यक्ति से मिला था। वे तत्कालीन उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी थे। वह संसद में मेरा पहला दिन भी था। शपथ-ग्रहण के बाद उन्होंने पहली बार सांसद बने हम कुछ नेताओं को कॉफी पर बुलाया। बातचीत चलती रही। जब उन्होंने देखा कि गपशप करते हुए 15 मिनट से अधिक हो गए हैं, तो उन्होंने हमें चर्चा जारी रखने के लिए अपने घर पर बुलाया। हम कुछ दिनों बाद उनके घर भी गए। यह हमारे लिए रोमांचक था कि दूसरे सर्वोच्च संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति ने हम जैसे नए सांसदों से मिलने के लिए समय निकाला। एक राजनयिक के रूप में हामिद अंसारी का लंबा और प्रतिष्ठित करियर रहा था। वे भारत सरकार के चीफ ऑफ प्रोटोकॉल, ऑस्ट्रेलिया में उच्चायुक्त, संयुक्त राष्ट्र में स्थायी प्रतिनिधि, अफगानिस्तान, ईरान और सऊदी अरब में राजदूत रहे थे। फिर वे भारत के 12वें उपराष्ट्रपति बने। कोलकाता में जन्मे अंसारी के बारे में जो बात कम ही लोग जानते हैं, वो ये है कि वे अपने कॉलेज के लिए मध्य क्रम के विकेटकीपर-बल्लेबाज भी थे। वास्तव में ईरान में राजदूत रहते हुए उन्होंने भारतीय दूतावास के कर्मचारियों के लिए क्रिकेट शुरू करवाया था। यह भी कहा जाता है कि उन्होंने ईरान में इस खेल को लोकप्रिय बनाया। राज्यसभा के सभापति के तौर पर अंसारी ने विधान-परिषदों में कई इनोवेशन किए। संसद-सत्र के दौरान अंसारी रोज सुबह 10:30 से 10:55 तक कॉफी मीटिंग करते थे। सदन के नेताओं के साथ इस अनौपचारिक बातचीत से सत्तापक्ष और विपक्ष को दिन भर की कार्यवाही में सामंजस्य बनाने में मदद मिलती थी। सभापति के तौर पर अंसारी का एक नियम अटल था : कोई भी विधेयक हंगामे के बीच पारित नहीं होगा। इससे यह सुनिश्चित हुआ था कि तत्कालीन सरकार कोई भी कानून जबरन नहीं थोप सकती थी। प्रश्नकाल और शून्यकाल के समय में बदलाव का पूरा श्रेय भी अंसारी को ही जाना चाहिए। बीते छह दशकों से प्रश्नकाल सुबह 11 बजे शुरू होता आ रहा था। इसके बाद दोपहर 12 बजे से शून्यकाल होता था। अंसारी को लगा कि प्रश्नकाल अकसर हंगामे की भेंट चढ़ता है, क्योंकि सदस्य दिन की शुरुआत में ही महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाना चाहते हैं। 2014 में अंसारी ने इसमें बदलाव किया। अब राज्यसभा में पहले 11 बजे से शून्यकाल होता है, जिसमें सदस्य तात्कालिक जनहित के मुद्दे उठाते हैं। 12 बजे से प्रश्नकाल शुरू होता है। अंसारी के दृष्टिकोण को इस कथन से समझा जा सकता है- 'राज्यसभा का सभापति खिलाड़ी नहीं, बल्कि अम्पायर हैष्ठ यदि आप खिलाड़ी बनते हैं तो पक्षपाती हो जाते हैं।' सेवानिवृत्ति के बाद वे दिल्ली में सुखद जीवन बिता रहे हैं। उन्होंने कई किताबें लिखी हैं। दूसरे जिन उपराष्ट्रपति के सम्पर्क में मुझे आने का सौभाग्य मिला, वे थे वेंकैया नायडू। एक अनुभवी सांसद, जो ग्रामीण विकास, शहरी विकास, आवास और शहरी गरीबी उन्मूलन, सूचना और प्रसारण के साथ संसदीय कार्य मंत्रालय के मंत्री भी रहे थे। इतिहास नायडू के प्रति उदार रहेगा, क्योंकि उन्होंने 20 सितम्बर 2020 को उस दिन सदन की अध्यक्षता नहीं की थी, जब विवादित कृषि कानून जबरन पारित कराए गए थे। शायद इसलिए क्योंकि वे कृषक-परिवार में जन्मे थे।उनका चैम्बर हो या सदन, दोनों ही जगह नायडू हर किसी से एक ही लहजे में बात करते थे- फिर चाहे वे सत्तापक्ष के सदस्य हों या विपक्ष के। यह सराहनीय है। जब भी वे हमें उपराष्ट्रपति भवन में भोजन पर आमंत्रित करते थे तो वहां मिलने वाले आंध्रप्रदेश के स्वादिष्ट भोजन के लिए श्रीमती नायडू को भी बराबर का श्रेय जाता है। एक बार उन्होंने कहा था कि भले ही वे बाहर सभापति होंगे, लेकिन घर में उनका भी एक गृहमंत्री है।नायडू को चुटीले 'वन लाइनर' बहुत पसंद थे। एक बार जब विद्यार्थी उच्च शिक्षा के लिए बाहर जा रहे थे तो उन्होंने कहा था- 'लर्न, अर्न एंड रिटर्न'। यानी सीखना, कमाना और फिर लौट आना। जब उनसे राष्ट्रपति बनने की महत्वाकांक्षा के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा वे 'उषापति' बनकर ही खुश हैं।उनकी पत्नी का नाम उषा है। उनका एक और मशहूर कथन था- 'द लेफ्ट कैन नेवर बी राइट'। नायडू का हास्यबोध जितना अच्छा था, वे उतने ही भावुक भी थे। जब भावनात्मक मुद्दों पर चर्चा होती, उनकी आंखें नम हो जाया करती थीं।14वें उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ भी मेरे कॉलम का विषय होंगे। लेकिन किसी और दिन! भारत के 12वें उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी क्रिकेटप्रेमी और इनोवेटिव थे। वहीं 13वें उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू अपने हास्यबोध और भावुकता के लिए जाने जाते थे। दोनों ही अनुभवी और पद की गरिमा का ध्यान रखने वाले थे। (ये लेखक के अपने विचार हैं। इस लेख के सहायक शोधकर्ता आयुष्मान डे हैं) डेरेक ओ ब्रायन

# क्या आपने कभी रविवार को समाज में उम्मीदें जगाने की कोशिश की है?

जॉर्ज अपनी पहली ग्राहक को दूर से ही देख सकते थे। उन्होंने उसकी मां के हाथों से उसका हाथ खींचा और उसे लेकर अपने गैरेज की ओर दौड़ पड़े, जहां उन्होंने बीती रात को ही यह बोर्ड लगाया था- 'आपके पास टूटी हुई चीजें हैं? तो उन्हें यहां ले आइए। इसके लिए कोई पैसा नहीं लिया जाएगा। बस चाय और बातें।' आठ साल की मिया अपने टॉय-ट्रक के साथ गैरेज में पहुंची। उसमें चौथा पहिया नहीं था। उसने कहा, 'क्या आप इसे ठीक कर सकते हैं?' फिर धीमी आवाज में कहा- 'डैड कहते हैं अभी तो हम नया नहीं खरीद सकते।' जॉर्ज ने स्पोर्ट्स-डे पर जाते हैं या बिना सूचना के होने वाली 'डैड्स रेस' में हिस्सा लेते हैं। वे यह सब अपने बच्चों की खुशी के लिए करते हैं। मेरे लिए ये 'होल मैन' कई जगह हैं, लेकिन उन्हें इस बात का पर्याप्त श्रेय नहीं मिलता कि वे गृहस्थी को सुचारु रुप से चला रहे हैं। काम पर शांत और जानकार बनकर, सड़कों पर सभ्य और सम्मानजनक रहकर, ट्रेनों और बसों में 'मैनस्प्रेडिंग' (पास की सीट पर अतिक्रमण) नहीं करके, और घर पर सभी का सहयोग करके। हां, अधिकतर 'होल मैन' में एक सबसे बड़ी कमी होती है, जो आमतौर पर महिलाओं को खटकती है। वे कपड़े धोना नहीं जानते। हां, वे वॉशिंग मशीन को कपड़े के हिसाब से सेट नहीं कर पाते। सूखे कपड़ों को बिना सिलवटों के स्टैंड पर नहीं टांग सकते, और सूखे कपड़ों की तह भी नहीं कर सकते। ऐसा इसलिए, क्योंकि वे चिकित्सकीय तौर पर ऐसा करने के लिए लगभग अक्षम होते हैं। खासकर, अपने साथी की पसंद के अनुरूप। फंडा यह है कि चाहे 'होल मैन' को पार्टनर के रूप में पाना गर्व की बात हो, लेकिन भारतीय संस्कृति में रची-बसी महिलाएं हमेशा से एक 'होल फैमिली' (पूर्ण परिवार) का सपना देखती हैं। इसलिए, इसको ऐसा भी कह सकते हैं- भारतीय महिलाएं केवल 'होल मैन' के बजाय 'होल फैमिली' पसंद करती हैं।'

उसकी मां उसके साथ नहीं आई थी, क्योंकि उन्हें एक इंटरव्यू के लिए बुलावा आ गया था। महज एक हफ्ते के भीतर 79 साल के जॉर्ज के गैरेज में चहल-पहल होने लगी थी। एक विधवा महिला एक टूटी हुई घड़ी ले आई। एक किशोर फटा हुआ बैग ले आया। सेवानिवृत्त शिक्षक अलग-अलग लोगों के रेज्यूमे की प्रूफरीडिंग कर रहे थे। एक महिला बैग सिल रही थीं, जिन्होंने अतीत में यह काम किया था।अमेरिका के मिनेसोटा राज्य स्थित मेपल ग्रोव नामक इस कस्बे में कई लोगों को लगा कि जॉर्ज का दिमाग खराब हो गया है। वे एक-दूसरे से कहते कि भला कौन मुफ्त में चीजों की मरम्मत करता है? लेकिन जॉर्ज के पास इसकी एक वजह थी। उनकी दिवंगत पत्नी रूथ ने अपना जीवन जरूरतमंदों के कोट, घड़ियां आदि ठीक करने में बिताया था और वो लोगों को दिलासा भी देती थीं। वे कहती थीं कि 'चीजों को बर्बाद करना एक आदत है और दयालुता इलाज है।' फिर शिकायत आई! 'यह गैर-लाइसेंसी कारोबार है', एक इंस्पेक्टर ने चेतावनी देते हुए कहा। मेयर ने जॉर्ज को गैरेज बंद करने का आदेश दिया। अगली सुबह कस्बे के कोई 40 लोग जॉर्ज के लॉन में विरोध के बैनर और टूटी-फूटी चीजें लिए खड़े थे- 'चीजों ही नहीं, कानून की भी मरम्मत करो।' एक बैनर पर लिखा था- 'क्या दयालुता गैरकानूनी है?' जनता के दबाव में मेयर ने नरमी दिखाई और जॉर्ज को पुराने फायर हाउस में कुछ जगह दी। वालंटियर्स ने उसे पीले रंग से रंग दिया और उसे 'रूथ्स हब' नाम दिया। लोग वहां सिर्फ अपनी चीजें ठीक करवाने ही नहीं, बल्कि दूसरों से जुड़ने भी आते थे। प्लम्बर मरम्मत सिखाते थे तो किशोर सिलाई की कला सीखते थे। एक बेकर ने माइक्रोवेव की मरम्मत के ऐवज में कुछ मफिन्स दिए। शहर का कचरा 30फीसदी कम हो गया।आठ साल बाद मिया का एक पत्र आया, जो अब 16 साल की है और एक रोबोटिक्स लैब में इंटर्नशिप कर रही है। पत्र में लिखा था- 'आपने मुझे टूटी हुई चीजों में भी मूल्य देखना सिखाया। मैं सौर ऊर्जा से चलने वाला एक कृत्रिम हाथ बनाने की कोशिश कर रही हूं...' और उस पत्र में एक फुटनोट भी था- 'मेरा ट्रक अभी तक चल रहा है।

# क्या है आपके पिया का टाइटल- परफेक्ट, कम्प्लीट या 'होल मैन'?

युगों से पूरी दुनिया में महिलाएं अपने पार्टनर के तौर पर एक 'परफेक्ट मैन' की तलाश में रहती हैं। फिर एक टेक्सटाइल कंपनी आई, जिसने उसके उत्पाद पहनने वाले पुरुषों को 'कम्प्लीट मैन' की श्रेणी में प्रदर्शित करना शुरू किया। लेकिन विश्व में महिलाएं अपनी पसंद को लेकर इससे आगे निकल चुकी हैं। अब वे अपने पार्टनर के रूप में एक 'होल मैन' चाहती हैं। दुनिया भर में कई महिलाओं के लिए यह एक नया ट्रेंड बन गया है कि वे अपनी दोस्तों के बीच गुप्त रूप से अपने पति के बारे में इस नए टाइटल से बात करती हैं। पहला गुण, जो उनमें नहीं होता, वो यह है कि वे इस विचार में विश्वास नहीं करते कि 'यदि आप अपनी श्रेष्ठता नहीं दिखा रहे हैं तो आप लूजर हैं।' उन्हें लगता है कि यह सोच अपने आप में बकवास है और पुरुषत्व को बढ़ावा देने वाले लोग इसे बचपन से ही थोप देते हैं। तो 'होल मैन' का मतलब क्या है? कुल मिलाकर, वह अधिकांश अच्छे मानवीय गुणों वाला सर्वगुण सम्पन्न व्यक्ति है। वह मजबूत है, लेकिन चोट खाने से नहीं डरता। वह अपने रोजमर्रा के जीवन में स्मार्ट है। कभी-कभी मजाकिया भी और अन्य जीवों के प्रति दयालु है। जरूरत के मुताबिक भावुक और सहायक है, लेकिन आवश्यकता पड़ने पर मजबूत भी है। समूह में वह मृदु स्वभाव वाले, किंतु सबसे मजबूत हैं। वे दूसरों को रुलाकर खुद को बड़ा दिखाने के बजाय दूसरों को सहज महसूस कराते हैं। यहां 'होल मैन' की ऐसी कुछ चुनिंदा खासियतें पेश हैं, जिन्हें महिलाएं अपने पुरुषों में देखना चाहती हैं। 1. वे लेखकों, गायकों, स्टैंड-अप कॉमेडियनों के कार्यक्रमों, पॉडकास्टरों के टॉक शो में शामिल होते हैं। खासतौर पर उनमें जो महिलाओं द्वारा आयोजित किए जाते हों। वे यह नहीं मानते कि उन्हें यह कार्यक्रम पसंद नहीं आएगा, क्योंकि यह महिलाओं द्वारा बनाया गया है। वे लिफ्ट में महिलाओं को पहले जाने देते हैं। जिस जगह भी हों, महिलाओं के लिए दरवाजा खोलते हैं। 2. 'होल मैन' की कई महिला मित्र होती हैं, और वे उन्हें मजाक का पात्र नहीं बनाते। उन्हें इस बात से भी कोई फर्क नहीं पड़ता कि उनकी पत्नियों के भी कई पुरुष मित्र हैं। वे दोस्तों के सामने अपने पार्टनर को नीचा नहीं दिखाते। 3. वे किसी विशेष खेल को पसंद करते हैं और उन्हें फर्क नहीं पड़ता कि इसे पुरुष खेल रहे हैं या महिलाएं। उदाहरण के लिए, वे ऐसी डींगें नहीं मारते कि उन्हें पुरुष क्रिकेट के बारे में छोटे-छोटे आंकड़े भी पता हैं। और इस बात से भी अनजान नहीं रहते कि महिला क्रिकेट टीम की कप्तान कौन है। 4. कामकाज में वो महिला अधिकारी की असहमति से घबराते नहीं हैं। वॉशरूम में महिला बॉस के बारे में शिकायत या अपशब्दों का इस्तेमाल नहीं करते। अगर गलती हो जाती है तो वे इसे स्वीकार कर माफी मांग लेते हैं, बिना यह देखे कि कौन उन्हें देख रहा है या वह किसके सामने माफी मांग रहे हैं। 5. उन्हें इस बात का कोई पुरस्कार नहीं चाहिए कि वे बच्चों को स्कूल छोड़ते हैं, उनके

# चलते-चलते ही चलती रहे सोमवार की मीटिंग!

सोमवार हमेशा थोड़ा बोझिल लगता है। बंद बोर्डरूम में लगातार मीटिंग चलती हैं।

बारिश के मौसम में तो पता भी नहीं चलता कि कब बादल छंटे, कब धूप निकली। मीटिंग के प्रेज़ेंटर को, गड्ढों में कार के कूदने से आने वाली छपाक की आवाज़ कभी-कभी सुनाई दे जाती है। वह भी बहुत साफ़ नहीं होती क्योंकि उसमें एसी के भरभराहट की मिलावट होती है।आपकी मीटिंग सुबह 11:30 पर थी, अब 11:45 बज चुके हैं और अंदर बैठे लोग बाहर निकलने तैयार नहीं हैं। आप अंदर झांकते हैं, तो प्रेज़ेंटर चेहरे पर माफ़ी मांगने का भाव लिए इशारे में कहते हैं, 'बस दो मिनट!' आपका तनाव बढ़ रहा है क्योंकि 12 बजे एमडी को इस हफ़्ते के सेल्स प्रोजेक्शन बताने हैं।मीटिंग से पहले आपको स्टोर हेड से स्टॉक की जानकारी लेनी है और प्रोडक्शन डिपार्टमेंट का प्लान भी जानना है। ऐसे में आप क्या कर सकते हैं? क्यों न मीटिंग को बोर्डरूम से बाहर ले जाएं। इसे कहते हैं, वॉकिंग मीटिंग यानी चलते-चलते, हो जाए मीटिंग।व्यस्त लोग और विभागों के प्रमुख खास स्टाइल में कहते हैं, 'मेरे साथ चलो' और बिल्डिंग के एक विंग से दूसरे विंग में जाते हुए, दो मिनट में मीटिंग पूरी हो जाती है। ऐसा ही कुछ टीवी शो, 'द वेस्ट विंग' में देखने मिलता है। यह पॉलिटिकल ड्रामा सीरीज़ है, जो अमेरिकी राष्ट्रपति के प्रशासनिक विभाग और कर्मचारियों की रोजमर्रा की चुनौतियां दिखाती है। इसे देखकर आपको भी चलते-चलते मीटिंग की आदत हो सकती है।शो में राष्ट्रपति के साथ काम कर रहे कई लोग अक्सर डायलॉग बोलते हैं 'वॉक विद मी' और फिर व्हाइट हाउस के गलियारे में मीटिंग शुरू हो जाती है, जहां राष्ट्रपति को बताने के लिए कर्मचारी आंकड़े साझा करते हैं। सपोर्ट स्टाफ़ के साथ ये मीटिंग जानबूझकर बाहर की जाती हैं। इसमें एक स्टाइल है। यह आकर्षक है क्योंकि इसमें सहकर्मी के साथ एक पॉइंट से दूसरे पॉइंट तक चला जा सकता है। कल्पना कीजिए, सूट-बूट में दो सहकर्मी, जटिल संवाद कर रहे हैं और फिर बीच गलियारे में रुककर रणनीति तैयार करते हैं। फिर उनमें से एक एमडी के केबिन में चला जाता है और दूसरा ऑफिस में जाकर गलियारे में हुई चर्चा को दस्तावेज़ में दर्ज कर लेता है। स्वर्गीय स्टीव जॉब्स वॉकिंग मीटिंग की काफ़ी वकालत करते थे। उनके साथ काम करने वाले बताते हैं कि 30फीसदी मीटिंग चलते हुए होती थीं।स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी की 2014 की रिसर्च बताती है कि चलने से रचनात्मकता बढ़ती है, चलते हुए भी और बाद में भी। मैं सिर्फ़ ऑफ़िस में चलने से होने वाले फ़ायदों की बाद नहीं कर रहा।यह कारगर है।मैंने ऐसी कई वॉकिंग मीटिंग देखी हैं, जहां दोनों पक्ष बड़ी आसानी से किसी टॉपिक पर बात कर पाए।

# 2029 चुनाव से पहले लागू होगा 33फीसदी महिला आरक्षण,महिला सांसदों की संख्या 273 तक पहुंचेगी

ओबीसी महिलाओं के लिए अलग से प्रावधान फिलहाल शामिल नहीं है। इसी फॉर्मूले पर राज्यों की विधानसभाओं में भी सीटें बढ़ाने और महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करने की योजना है, ताकि पूरे देश में एक जैसा ढांचा रहे। कांग्रेस से चर्चा बाकी: गृहमंत्री अमित शाह ने पिछले दिनों इसके लिए कई नेताओं से बैठकें की हैं। इनमें वाईएसआर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, एनसीपी (एसपी), आरजेडी और एआईएमआईएम के नेता शामिल रहे। बीजेडी और शिवसेना (यूबीटी) से भी बातचीत हुई है, जबकि कांग्रेस से चर्चा बाकी है। सहमति बनने पर बिल इसी हफ्ते संसद में पेश किए जा सकते हैं। महिला आरक्षण बिल कानून नहीं बना: महिला आरक्षण कानून 2023 में संविधान के 106वें संशोधन के रूप में पास हुआ था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इसकी मंजूरी दे चुकी हैं। लोकसभा में यह बिल लगभग सर्वसम्मति से और राज्यसभा में सर्वसम्मति से पास हुआ था।

हालांकि, यह कानून अभी लागू नहीं हुआ है। इसकी लागू होने की तारीख केंद्र सरकार अधिसूचना के जरिए तय करेगी और जरूरत पड़ने पर संसद इसमें संशोधन कर सकती है।1931 में पहली बार महिला आरक्षण का मुद्दा उठा था- 1931: भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान महिलाओं के लिए राजनीति में आरक्षण के मुद्दे पर चर्चा हुई थी। तब प्रस्ताव खारिज कर दिया गया। बेगम शाह नवाज और सरोजिनी नायडू जैसी नेताओं ने महिलाओं को पुरुषों पर तरजीह देने के बजाय समान राजनीतिक स्थिति की मांग पर जोर दिया। 1971: भारत में महिलाओं की स्थिति पर समिति का गठन किया गया। इसके कई सदस्यों ने विधायी निकायों में महिलाओं के लिए आरक्षण का विरोध किया। 1974: महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाने के लिए महिलाओं की स्थिति पर एक समिति ने शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय को एक रिपोर्ट सौंपी। इस रिपोर्ट में पंचायतों और नगर निकायों में महिलाओं के लिए सीटें आरक्षित करने की सिफारिश की गई थी। 1988: महिलाओं के लिए राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना ने पंचायत स्तर से संसद तक महिलाओं को आरक्षण देने की सिफारिश की। इसने पंचायती राज संस्थानों और सभी राज्यों में शहरी स्थानीय निकायों में महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण अनिवार्य करने वाले 73वें और 74वें संविधान संशोधनों की नींव रखी। 1993: 73वें और 74वें संविधान संशोधनों में पंचायतों और नगर निकायों में महिलाओं के लिए एक-तिहाई सीटें आरक्षित की गईं। महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड और केरल सहित कई राज्यों ने स्थानीय निकायों में महिलाओं के लिए 50फीसदी आरक्षण लागू किया है।

# ममता बोलीं-पर्दे के पीछे से संस्थाओं पर बीजेपी का कंट्रोल,पश्चिम बंगाल के घर से 22 बम बरामद

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि

सरकारी संस्थाओं को पर्दे के पीछे से भारतीय जनता पार्टी कंट्रोल करती है। उन्होंने कहा कि इलेक्शन कमीशन के लेटर पर लगी बीजेपी की मुहर ने यह बात पूरी तरह से साबित कर दी है। बनर्जी ने उत्तरी बंगाल के बागडोगरा जाने से पहले एयरपोर्ट पर ये बात कही। वहीं, उत्तरी 24 परगना जिले में एक घर से पुलिस ने बड़ी संख्या में देसी बम बरामद किए हैं। पुलिस ने बताया कि हारोआ पुलिस थाना क्षेत्र में एक घर से कुल 22 देसी बम बरामद किए गए। बम मिलने के बाद से ही घर का मालिक लापता है। उधर, तमिलनाडु में ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम के पदाधिकारियों के खिलाफ मदुरै के थिरुमंगलाम के पास चुनाव प्रचार में नाबालिगों को शामिल करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि चेकनुरानी पुलिस ने इस घटना के संबंध में कार्रवाई की है। केरल में कांग्रेस और सीपीआई-एम ने आरोप लगाया है कि बीजेपी के प्रदेश प्रमुख राजीव चंद्रशेखर ने 9 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए अपने नामांकन पत्रों के साथ जमा किए गए हलफनामे में बेंगलुरु में अपनी कीमती संपत्ति के बारे में जानकारी छिपाई है। सत्ताधारी सीपीआई-एम और विपक्षी कांग्रेस दोनों ने इस मामले पर चंद्रशेखर के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ने की घोषणा की है, क्योंकि नेमम निर्वाचन क्षेत्र के रिटर्निंग ऑफिसर ने आरोपों और शिकायतों के बावजूद बीजेपी नेता का नामांकन स्वीकार कर लिया। हालांकि, चंद्रशेखर ने कहा कि ये आरोप बेबुनियाद हैं और उन्होंने अपने राजनीतिक विरोधियों को अदालत जाने की चुनौती दी। बीजेपी ने नेमम के हाई-प्रोफाइल निर्वाचन क्षेत्र में चंद्रशेखर को सीपीआई-एम नेता और सामान्य शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी और कांग्रेस के पूर्व विधायक के.एस. सबरीनाथन के खिलाफ मैदान में उतारा है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि जांच-पड़ताल के बाद, चंद्रशेखर के खिलाफ शिकायत दर्ज होने के बावजूद उनका नामांकन स्वीकार कर लिया गया। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम प्रमुख एडप्पादी के. पलानीस्वामी ने चेन्नई स्थित पार्टी मुख्यालय में तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी का घोषणापत्र जारी किया। इस दौरान पलानीस्वामी ने चेन्नई में कथित कमीशन और वसूली भ्रष्टाचार को लेकर डीएमके सरकार पर निशाना साधा भी साधा।

# किम जोंग बोले- परमाणु हथियार रखने का फैसला सही था,जीत मजबूत ताकत से तय होती है

प्योंगयांग। नॉर्थ कोरिया के सुप्रीम लीडर किम जोंग उन ने देश के पास परमाणु हथियार होने को लेकर खुशी जताई है। सरकारी मीडिया के मुताबिक उन्होंने कहा कि अमेरिका और इजराइल के ईरान पर किए गए हमले साबित करते हैं, कि उनके देश का परमाणु हथियार रखने का फैसला सही था। किम ने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहा युद्ध दिखाता है कि आज की दुनिया में सिर्फ मजबूत सैन्य ताकत ही किसी देश को सुरक्षित रख सकती है। उन्होंने यह बयान सोमवार को संसद में लंबे भाषण के दौरान दिया। अपने भाषण में किम ने दक्षिण कोरिया के प्रति सख्त रुख दोहराया और कहा कि वह अपने देश की परमाणु ताकत को और मजबूत करेंगे, ताकि अमेरिका को रोका जा सके।किम जोंग उन का यह भाषण मंगलवार को लिखित रूप में जारी हुआ है। इसमें उन्होंने कहा कि 2019 में ट्रम्प के साथ बातचीत टूटने के बाद परमाणु हथियार बढ़ाने का फैसला उनका सबसे सही कदम था। किम ने कहा कि नॉर्थ कोरिया अब अमेरिका के खिलाफ एकजुट मोर्चे में और ज्यादा सक्रिय भूमिका निभाएगा। हालांकि उन्होंने ट्रम्प का नाम सीधे नहीं लिया, लेकिन यह जरूर कहा कि उनके विरोधी टकराव चाहते हैं या शांति, यह उन पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि नॉर्थ कोरिया हर स्थिति के लिए तैयार है। किम ने देश को आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था बनाने, ज्यादा परमाणु हथियार और उन्हें ले जाने वाली मिसाइलें बनाने पर जोर दिया। किम ने यह भी कहा कि परमाणु हथियारों की वजह से नॉर्थ कोरिया अब ज्यादा और जीत सिर्फ सबसे मजबूत ताकत से ही तय होती है। हम अपने देश को एक परमाणु शक्ति के रूप में और मजबूत करते रहेंगे।साउथ कोरिया को लेकर कि बातचीत तभी हो सकती है, जब अमेरिका आधिकारिक तौर पर नॉर्थ कोरिया को परमाणु शक्ति के रूप में मान्यता दे। नॉर्थ कोरिया लंबे समय से यह कहता रहा है

सुरक्षित है और इसी वजह से वह अपने संसाधनों का इस्तेमाल आर्थिक विकास के लिए भी कर पा रहा है।किम जोंग उन के भाषण की अहम बातें-अमेरिका दुनियाभर में जो आक्रामक कदम उठा रहा है, उससे साफ होता है कि उनका परमाणु हथियार बढ़ाने का फैसला गलत नहीं है। आज की स्थिति साफ दिखाती है कि दुश्मनों की बातों में न आकर परमाणु हथियार सुरक्षित रखने का फैसला भी सही था। नॉर्थ कोरिया को अब कोई भी खतरा नहीं है। जरूरत पड़ी तो हम दूसरे देशों के लिए खतरा बन सकते हैं। किसी देश की प्रतिष्ठा, हित उन्होंने कहा कि हम उसे सबसे बड़ा दुश्मन मानेंगे और पूरी तरह नजरअंदाज करेंगे। अगर साउथ कोरिया कोई भी कदम उठाता है जो उनके देश को नुकसान पहुंचाता है, तो उसे कड़ी सजा दी जाएगी। कई दशकों से अमेरिका और उसके सहयोगी देश, प्रतिबंध और बातचीत के जरिए नॉर्थ कोरिया को परमाणु कार्यक्रम छोड़ने के लिए मनाने की कोशिश करते रहे हैं, लेकिन अब तक सभी प्रयास असफल रहे हैं। व्हाइट हाउस में दोबारा आने के बाद ट्रम्प ने किम से फिर बातचीत करने की इच्छा जताई है। हालांकि, किम का कहना है कि अगर लीबिया के मुअम्मर गद्दाफी और इराक के सद्दाम हुसैन के पास परमाणु हथियार होते तो उनका अंत इस तरह नहीं होता।अमेरिका और नॉर्थ कोरिया के बीच परमाणु कार्यक्रम छोड़ने को लेकर साल 2018 में बातचीत शुरू हुई थी। इसे लेकर जून 2018 में सिंगापुर में पहली बार ट्रम्प और किम जोंग उन की ऐतिहासिक मुलाकात हुई थी। इसके बाद फरवरी 2019 में वियतनाम के हनोई में दूसरी बैठक हुई, लेकिन यहीं बातचीत टूट गई, क्योंकि दोनों पक्ष शर्तों पर सहमत नहीं हो पाए। इसके बाद नॉर्थ कोरिया ने कहा था कि अमेरिका पर भरोसा नहीं किया जा सकता और सुरक्षा के लिए उसे अपनी सैन्य ताकत बढ़ानी होगी। इसी सोच के तहत उसने अपने परमाणु हथियार और मिसाइल कार्यक्रम को आगे बढ़ाने का फैसला किया। नॉर्थ कोरिया का मानना है कि मजबूत परमाणु क्षमता ही उसे बाहरी हमलों से बचा सकती है।इसके बाद नॉर्थ कोरिया ने धीरे-धीरे अपनी पुरानी रणनीति पर वापसी कर ली। उसने मिसाइल टेस्टिंग बढ़ा दी और अपने परमाणु कार्यक्रम को आगे बढ़ाने लगा। कई बार लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों का भी परीक्षण किया गया। फिलहाल नॉर्थ कोरिया के पास कुल कितनी मिसाइलें हैं, इसका सटीक आंकड़ा सार्वजनिक नहीं है। लेकिन एक्सपर्ट्स के अनुमान के मुताबिक नॉर्थ कोरिया के पास सैकड़ों बैलिस्टिक मिसाइलें हैं, जिनमें शॉर्ट रेंज, मीडियम रेंज और और लंबी दूरी की मिसाइलें शामिल हैं। आईसीबीएम यानी लंबी दूरी की मिसाइलें ऐसी हैं, जो अमेरिका तक पहुंचने की क्षमता रखती हैं। नॉर्थ कोरिया ने ह्वासोंग-15, ह्वासोंग-17 और ह्वासोंग-18 जैसी मिसाइलों की टेस्टिंग की है। इन मिसाइलों की रेंज लगभग 10,000 से 15,000 किलोमीटर तक मानी जाती है। इसका मतलब है कि ये अमेरिका के बड़े हिस्से तक पहुंच सकती हैं। कुछ रिपोर्ट्स यह भी मानती हैं कि नॉर्थ कोरिया के पास करीब 50-100 के आसपास परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम मिसाइलें हो सकती हैं, लेकिन यह पक्का आंकड़ा नहीं है।

# दिल्ली के लिए 1,03,700 करोड़ रुपए का बजट पेश,10वीं की मेरिट में आने वाले स्टूडेंट्स को मिलेंगे लैपटॉप

नयी दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को विधानसभा में वित्त वर्ष 2026-27 का बजट पेश किया। इस बार सरकार ने 1 लाख 3 हजार 700 करोड़ रुपए का बजट पेश किया है। सीएम ने अपने संबोधन में कहा कि इस बजट को लोगों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए 'ग्रीन बजट' के रूप में तैयार किया गया है। इसी के तहत कुल बजट का 21 प्रतिशत हिस्सा पर्यावरण के लिए निर्धारित किया गया है। बजट में एजुकेशन के लिए 19 हजार करोड़ का आवंटित किए गए हैं। नई योजना में 10वीं क्लास में मेरिट में आने वाले में सभी स्टूडेंट्स को लैपटॉप दिया जाएंगे। वहीं, 9वीं क्लास में पढ़ने वाली सभी बच्चियों को मुफ्त साइकिल दिए जाने की घोषणा की गई है। पीडब्लूडी के लिए 5,921 करोड़ रुपए आवंटित-लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के लिए 5,921 करोड़ रुपए का फंड आवंटित किए गए हैं। इसके साथ ही शहरी विकास के लिए 7,887 करोड़, यमुनापार के लिए 300 करोड़, झुग्गी विकास के लिए 800 करोड़, ग्रामीण विकास के लिए

787 करोड़ और विकास विभाग के लिए 914 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। बजट की अन्य बड़ी घोषणाएं-फायर ब्रिगेड को 674 करोड़ रुपए दिए जाएंगे। इससे नए दमकल केंद्र बनेंगे और अत्याधुनिक उपकरण खरीदे जाएंगे। पानी की बर्बादी रोकने टैंकर व्यवस्था खत्म करने का ऐलान। चंद्रावल वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के लिए 475 करोड़ का प्रावधान किया है। बिजली विभा के लिए 3942 करोड़ रुपए आवंटित। इनमें बिजली तारों को अंडरग्राउंड करने के लिए 200 करोड़ रुपए दिए जाएंगे। दिल्ली में सड़क सुधार के लिए एमसीडी को 1,000 करोड़ रुपए दिए जाएंगे।धूल रहित सड़कों के लिए बजट में 1,352 करोड़ रुपए आवंटित। आंगनबाड़ियों को मॉडर्न करने के लिए 33 करोड़ का फंड रखा गया है। नए चार्जिंग स्टेशन, डिपो बनाने के लिए 320 करोड़ का बजट दिया गया है। पार्क गार्डन के लिए 25 करोड़ और फंड प्रदूषण की रोकथाम के लिए 300 करोड़ रुपए दिए गए हैं।आपदा प्रबंधन के लिए 10 करोड़। इसके लिए 5, शामनाथ मार्ग पर ऑफिस में इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर बनेगा। परिवहन के लिए 8374 करोड़ का फंड। मार्च 27 तक 7500 बसों का लक्ष्य और जिसमें से 5800 बसें इलेक्ट्रिक होंगी। आत्मनिर्भर बनाने 1000 महिलाओं को ई-ऑटो का परमिट दिया जाएगा और 100 परमिट ट्रांसजेंडर को दिए जाएंगे। दिल्ली लखपति बिटिया योजना शुरू। यह योजना दिल्ली की बेटी के जन्म के समय शुरू होगी और ग्रेजुएशन करने पर रु1,00,000 मिलेंगे। इसके लिए 128 करोड़ के बजट का प्रावधान किया है। जेनेटिक बीमारियों के लिए 'अनमोल' योजना सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि जब कोई बच्चा घर में जन्म लेता है तो वह परिवार के लिए अनमोल होता है। बच्चे में कई बार जेनेटिक बीमारी होती है, लेकिन इसका पता बाद में चलता है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए जेनेटिक बीमारियों की जांच के लिए 25 करोड़ रुपए का बजट आवंटित किया गया है। गर्भ में ही जेनेटिक बीमारियों के पता लगाने के लिए सभी 56 टेस्ट सरकार करवाएगी।बजट पेश होने से पहले मंगलवार सुबह दिल्ली विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकी मिली। विधानसभा स्पीकर विजेंद्र गुप्ता के पास यह धमकी का ईमेल आया था। इसके चलते सुबह 11 बजे शुरू होने वाली सदन की कार्रवाई रोक दी गई थी। स्निफर डॉग और बम स्क्वायड समेत जांच एजेंसियों की टीम मौके पर पहुंची। हालांकि, सर्च ऑपरेशन में कुछ संदिग्ध नहीं मिला। इसके बाद बजट सत्र की कार्रवाई आधे घंटे की देरी से शुरू हुई। सिरफिरे लोग ही दे सकते हैं ऐसी धमकियां: डिप्टी स्पीकर धमकी भरे ईमेल पर डिप्टी स्पीकर मोहन सिंह बिष्ट ने कहा- इस तरह की धमकियां सिरफिरे लोग ही दे सकते हैं, जो सरकार को काम नहीं करने देना चाहते हैं। हम लोग डरेंगे नहीं क्योंकि ये दिल्ली के भविष्य की बात है। उन्होंने आगे कहा- हालांकि हमें इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए क्योंकि यह विधानसभा का सवाल है। पिछली बार भी इसी तरह की धमकियां दी थी। हम बिल्कुल भी डरने और घबराने वाले नहीं है। विधानसभा का सत्र चलता रहेगा। दिल्ली पुलिस ने बयान जारी कर कहा कि बम डिटेक्शन टीम ने विधानसभा की गहनता से जांच की। कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है।

## कुछ ख़बरे झटपट

### 1. भारत-तिब्बत के बीच ट्रेड के लिए शिपकी ला रूट दोबारा शुरू

22 मार्च को भारत सरकार ने भारत-तिब्बत ट्रेड रूट शिपकी ला पास (दर्रा) को दोबारा खोलने की मंजूरी दी है। हिमाचल प्रदेश के आदिवासी विकास एवं राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी ने इसकी जानकारी दी। शिपकी ला पास किन्नौर में हिमाचल प्रदेश बॉर्डर पर है, जिसे 2020 में कोविड-19 महामारी के दौरान बंद कर दिया गया था। शिपकी ला पास को जून-सितंबर सेशन के लिए खोला जाएगा, इससे 6 साल से ठप्प पड़ा पारंपरिक व्यापार एक बार फिर शुरू होगा। भारत-तिब्बत के बीच अब तक ट्रेड पुराने हिंदुस्तान-तिब्बत मार्ग से बार्टर सिस्टम के जरिए व्यापार होता था। कोई लीगल कॉन्ट्रैक्ट व्यापार अब तक नहीं होता था। भारत-तिब्बत ट्रेड का लंबा इतिहास है।1697 में तिब्बत (गांदेन फोड्रंग) और बुशहार के राजा केहरी सिंह के बीच एक सुरक्षित व्यापार मार्ग को लेकर औपचारिक संधि हुई थी। तिब्बती ट्रेडर्स हाई क्वालिटी ऊन, भेड़, नमक, याक की पूंछ और कच्चा रेशम भारत से आयात करते हैं, जबकि इंडियन ट्रेडर्स तांबे के बर्तन, चावल, कपड़े, चाय और कृषि उपकरण जैसी वस्तुओं का निर्यात करते हैं।

### 2. केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 3 डिजिटल मीडिया-टेक इनिशिएटिव लॉन्च किए

23 मार्च को केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नई दिल्ली में डिजिटल और मीडिया-टेक इनिशिएटिव लॉन्च किए। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिएटिव टेक्नोलॉजीस ने मिलकर ये इनिशिएटिव लॉन्च किया। इनिशिएटिव में युवाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की ट्रेनिंग दी जाएगी।इनिशिएटिव में सरकार ने 10 लाख युवाओं को एआई स्किल सिखाने का लक्ष्य तय किया है। इनिशिएटिव का उद्देश्य इनोवेशन बढ़ाना, रोजगार के लिए युवाओं को स्किलड बनाना और डिजिटल इकोनॉमी को मजबूत करना है। साथ ही इसका उद्देश्य टेक्नोलॉजी को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाना और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को बढ़ावा देना है। मीडिया-टेक इनिशिएटिव में सरकार ने 3 प्लेटफॉर्म भी शुरू किए हैं 1. माई वेव्स प्लेटफॉर्म-कंटेंट क्रिएटर्स के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म देना। AVGC-XR एनीमेशन, विजुअल इफैक्ट, गेमिंग, कॉमिक के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म होगा। इंडियन कल्चर को प्रमोट करना, स्टोरीटेलर के जरिए इकोनॉमी को बढ़ाना। 2. बिल्ट-इन टीवी ट्यूनर- सेट-टॉप बॉक्स की जरूरत को खत्म करना। डीडी फ्री डिश को प्रमोट करना।एडवांस ईपीजी चैनल नेविगेशन और कंटेंट डिस्कवरी को बेहतर बनाना।

### 3. सीनियर लीडर दत्ता मेघे का निधन

22 मार्च को भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता दत्ता मेघे का निधन हो गया। वे 89 साल के थे। मेघे

नागपुर, रामटेक और वर्धा निर्वाचन क्षेत्रों से चार बार लोकसभा सांसद रहे और 2014 में बीजेपी जॉइन किया। मेघे ने नागपुर यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन किया और शुरुआती करियर में एलआईसी में काम किया।मेघे ने 1978 में अपना राजनीतिक करियर कांग्रेस पार्टी से शुरू किया था और 1978 में मेघे महाराष्ट्र विधान परिषद में शामिल हुए। मेघे 1991 में संसद में शामिल हुए। जब उन्होंने कांग्रेस के टिकट पर 3.28 लाख से ज्यादा वोटों के साथ नागपुर लोकसभा सीट जीती। 1996 में रामटेक से और 1998 में वर्धा से फिर से चुने गए, जिससे उन्हें लगातार तीन लोकसभा कार्यकाल मिले। 1999 में जब राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का गठन हुआ तो वे शरद पवार की पार्टी में शामिल हो गए। मेघे नागपुर, रामटेक और वर्धा निर्वाचन क्षेत्रों से चार बार लोकसभा सांसद चुने गए और 2002 से 2008 तक राज्यसभा सदस्य भी रहे और उसी साल वापस कांग्रेस पार्टी में लौट आए। अपने पूरे राजनीतिक करियर के दौरान, मेघे एक अलग विदर्भ राज्य के मुखर समर्थक रहे।

### 4. पाकिस्तान सुपर लीग में दर्शकों की एंट्री पर बैन

22 मार्च को पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) 2026 में दर्शकों की एंट्री बैन कर दी है। पाकिस्तान सुपर लीग का ये 11वां सीजन है, इसमें 8 टीमों के बीच 44 मैचे खेले जाएंगे। पीसीबी ने दर्शकों की एंट्री बैन करने के साथ ही 26 मार्च से शुरू होने वाले पीएसएल की लाहौर में होने वाली ओपनिंग सेरेमनी भी रद्द कर दी है। 26 मार्च से 3 मई तक होने वाले टूर्नामेंट पहले 6 अलग-अलग वेन्यू पर होना तय था लेकिन अब सारे मैच सिर्फ लाहौर और कराची में खेले जाएंगे। इसके साथ ही पीसीबी ने दर्शकों के बिना मैच होने से फ्रेंचाइजी को होने वाले नुकसान की भरपाई करने का जिम्मा भी लिया है। पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी के मुताबिक, प्रधानमंत्री और सुरक्षा एजेंसियों के साथ चर्चा के बाद ये फैसला लिया गया है। फ्रेंचाइजी और स्पॉन्सर्स ने भी फैसले का समर्थन किया है। इससे पहले भी 2015 में यूएसए के बाल्टीमोर में सीविल अनरेस्ट की वजह से मेजर लीग बेसबॉल बिना दर्शकों के खेला गया था। 2009 में एच1एन1 महामारी के दौरान, मैक्सिकन फुटबॉल लीग बिना दर्शकों के खेली गई।

### 5. फुटबॉलर निकोलस ओटामेंडी ने रिटायरमेंट का किया ऐलान

22 मार्च को फुटबॉलर निकोलस ओटामेंडी ने वर्ल्ड कप 2026 के बाद रिटायरमेंट का ऐलान किया है। जून में अर्जेंटीना के नॉर्थ अमेरिका टूर में वो आखिरी बार खेलेंगे। निकोलस अर्जेंटीना के इतिहास में एक सफल और अनुभवी डिफेंडर रहे हैं, उन्होंने 2010 में महज 22 साल की उम्र में डिएगो माराडोना के नेतृत्व में वर्ल्ड कप खेलना शुरू किया। निकोलस , अर्जेंटीना वेलेज सार्सफील्ड के लिए खेले। फिर एफसी पोर्टो , मैनचेस्टर सिटी और एसएल बेनफिका जैसे टॉप क्लबों के लिए खेलकर अपनी पहचान बनाई। अर्जेंटीना के लिए उन्होंने फीफा विश्व कप 2022 और कोपा अमेरिका 2021 जीता। निकोलस और लियोनल मेसी लगभग 16 साल तक साथ खेले हैं। इस ऐलान के बाद मेसी 2014 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम में खेलने वाले इकलौते खिलाड़ी बचे हैं।

**इतिहास- 24 मार्च-1783 में जियॉलॉजीकल सर्वे ऑफ इंडिया की स्थापना हुई। 1977 में मोरारजी देसाई भारत के चौथे और देश के पहले गैर-कांग्रेसी प्रधानमंत्री बने। 2020 में भारत में कोविड-19 लॉकडाउन की घोषणा के लिए प्रमुख है।**

# केवल हिंदू-बौद्ध-सिख ही अनुसूचित जाति का दावा कर सकते हैं,सुप्रीम कोर्ट का फैसला

## धर्म बदला तो अनुसूचित जाति का दर्जा भी खत्म हो जाता है

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि केवल हिंदू, सिख और बौद्ध धर्म से जुड़े लोग ही अनुसूचित जाति का दर्जा प्राप्त कर सकते हैं। अगर कोई ईसाई या किसी और धर्म में धर्मांतरण करता है तो वह अनुसूचित जाति का दर्जा खो देगा। जस्टिस पीके मिश्रा और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ने फैसला सुनाते हुए कहा कि ईसाई धर्म अपनाने वाला दलित व्यक्ति अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत मिलने वाले किसी भी संरक्षण का दावा नहीं कर सकता है। यह फैसला आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के मई 2025 के फैसले के खिलाफ लगाई गई चिंथदा की याचिका पर सुनाया गया। धर्म परिवर्तन के बाद पादरी बने चिंथदा आनंद ने याचिका लगाई थी कि उन्हें अक्काला रामिरेड्डी समेत कुछ लोगों से जातिगत भेदभाव और दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ा।1985 के सूसाई बनाम भारत सरकार से जुड़े एक केस में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया था कि यदि कोई व्यक्ति ईसाई धर्म अपनाने के बाद दोबारा हिंदू धर्म में लौटता है, तो उसे एससी दर्जा प्राप्त करने के लिए विश्वसनीय प्रमाण और समुदाय की स्वीकृति की जरूरत होगी। केवल लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य से धर्म परिवर्तन करने को सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के साथ धोखा करार दिया।यह मामला विशाखापट्टनम जिले के अनाकापल्ली का है, जहां मूल रूप से एससी (माला समुदाय) के चिंथदा ने ईसाई धर्म अपना लिया और पादरी बन गया। कुछ दिन बाद गुंटूर जिले के

कोथापलेम में रहने वाले अक्कला रामी रेड्डी नाम के शख्स पर चिंथदा ने आरोप लगाया कि अक्कला ने उसे जातिसूचक गालियां दी हैं। चिंथदा ने एससी -एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज करवाया था। मामला हाईकोर्ट पहुंचने पर इस पर सुनवाई से इनकार कर दिया था। इसके बाद चिंथदा ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी।केस की जांच के दौरान पता चला था कि ईसाई धर्म अपनाने के कारण चिंथदा का अनुसूचित जाति का प्रमाणपत्र रद्द कर दिया गया था। चिंथदा एक चर्च में करीब 10 साल से पादरी के तौर पर काम कर रहा है।

# मोनालिसा ने डायरेक्टर सनोज मिश्रा पर गंभीर आरोप लगाए,बोलीं- मुझे कई बार गलत तरीके से छुआ, परिवार ने मेरा साथ नहीं दिया

मुंबई। प्रयागराज के कुंभ मेले से चर्चा में आई मोनालिसा भोंसले ने मंगलवार को डायरेक्टर सनोज मिश्रा पर फिल्म 'द डायरी ऑफ

मणिपुर' के दौरान गलत तरीके से छूने और मानसिक उत्पीड़न के आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि उन्हें और उनके पति को जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं, इसलिए उन्होंने केंद्र, केरल और मध्य प्रदेश सरकार से सुरक्षा मांगी है। मोनालिसा ने केरल के कोच्चि में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि सनोज मिश्रा अच्छा इंसान नहीं है। उसने मुझे 10 बार गलत तरीके से छुआ। मैंने अपने परिवार को बताया कि सनोज मिश्रा ने मुझे छुआ, लेकिन उन्होंने मेरा साथ नहीं दिया। मुझे पता है कि मैंने क्या सहा है। मेरे साथ गलत व्यवहार हुआ है। मुझे सिर्फ न्याय चाहिए। सनोज मिश्रा ने मुझे दो बार छुआ। मैंने यह बात अपने पूरे परिवार को बताई, लेकिन कहा गया कि यह तुम्हारी पहली फिल्म है। क्या पहली फिल्म के लिए मुझसे रेप करवाओगे? केंद्र, केरल, मध्य प्रदेश सरकार से सुरक्षा मांगी मोनालिसा ने केंद्र सरकार के साथ केरल और मध्य प्रदेश सरकार से मदद मांगी। उन्होंने कहा कि उन्हें और उनके पति को जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। मोनालिसा ने कहा कि उनके पोस्टर जलाए जा रहे हैं। साथ ही कुछ लोग उन्हें लगातार धमका रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि डायरेक्टर उनके बारे में गलत बातें फैला रहा है और कहा कि उन्हें अपनी फिल्मों में काम नहीं देगा। उन्होंने कहा कि वह ऐसे व्यक्ति के साथ काम नहीं करना चाहतीं। मोनालिसा ने केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार से अपील की कि उनके पति के खिलाफ शादी को लेकर गलत आरोप न लगाए जाएं। उन्होंने कहा कि दोनों ने मंदिर में हिंदू रीति-रिवाज से शादी की है। उन्होंने आरोप लगाया कि डायरेक्टर उनकी शादी को 'लव जिहाद' बता रहा है और समाज में तनाव फैलाने की कोशिश कर रहा है। मोनालिसा ने सभी धर्मों के प्रति सम्मान जताया। मोनालिसा ने कहा कि अगर उन्हें उनके पति से अलग करने की कोशिश की गई तो दोनों आत्महत्या कर लेंगे। वहीं, मोनालिसा के पति फरमान ने भी आरोप लगाया कि डायरेक्टर उन्हें 'आतंकवादी' बता रहा है।

उन्होंने कहा कि मुस्लिम परिवार में जन्म लेने और उनका नाम फरमान खान होने के कारण उन पर आरोप लगाए जा रहे हैं। फरमान ने कहा कि वह श्री नारायण गुरु में विश्वास रखते हैं और उन्होंने उसी के एक मंदिर में शादी की है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मोनालिसा भावुक हो गईं और दोहराया कि अगर उन्हें सुरक्षा नहीं मिली तो वे आत्महत्या कर सकते हैं।

दोनों ने हाल ही में केरल में शादी की है, क्योंकि मोनालिसा के परिवार को यह रिश्ता स्वीकार नहीं था। वे फिल्म शूट के सिलसिले में तिरुवनंतपुरम पहुंचे थे।इंदौर की रहने वाली मोनालिसा पिछले साल प्रयागराज कुंभ मेले में रुद्राक्ष की माला बेचते हुए एक वीडियो वायरल होने के बाद चर्चा में आई थीं।

महाकुंभ 2025 में रुद्राक्ष बेचते हुए रातोरात सोशल मीडिया स्टार बनीं महेश्वर की मोनालिसा भोंसले ने केरल में अपने बॉयफ्रेंड फरमान खान के साथ मंदिर में शादी रचा ली है। इस अंतरधार्मिक विवाह ने उत्तर से दक्षिण भारत तक हलचल मचा दी है।

# कहानी सरे रिकॉर्ड तोड़ने वाली धुरंदर के किरदार संजय दत्त की..

मुंबई। 29 जुलाई 1959 को सुनील दत्त और नरगिस के घर जन्मे संजय दत्त ने अपनी दमदार एक्टिंग से दुनियाभर के दर्शकों का दिल जीता है। बतौर बाल कलाकार अपने पिता के बैनर तले बनी फिल्म 'रेशमा और शेरा' से करियर की शुरुआत करने वाले संजय दत्त ने तमाम उतार-चढ़ाव के बावजूद बॉलीवुड में अपनी एक अलग जगह बनाई है। नाम, काम, प्यार, विवाद संजय दत्त के जीवन के अहम पहलू रहे हैं। उन्हीं में से उनके जीवन के एक खास पहलू प्यार को आज उनके जन्मदिन पर करीब से जानने की कोशिश करेंगे। कभी संजय के अफेयर की चर्चा जोरों पर थी। बताया जाता है कि उनके 308 से ज्यादा लड़कियों से अफेयर रहे हैं। टीना मुनीम, माधुरी दीक्षित और रेखा जैसी अभिनेत्रियों के साथ उनका

नाम जुड़ चुका है। यह भी कहा जाता है कि उन्होंने रेखा से शादी भी कर ली थी। रेखा, संजय दत्त के नाम का सिंदूर लगाती हैं। आखिर इसके पीछे सच्चाई क्या है? आए जानते हैं। रेखा और संजय दत्त फिल्म 'जमीन आसमान' में साथ नजर आए थे। इसी फिल्म की शूटिंग के दौरान

दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो रेखा से मंदिर में जाकर शादी कर संजय दत्त से शादी कर ली थी। दोनों कई हफ्ते तक घर से गायब रहें। दोनों ने अपने घर में किसी को कुछ नहीं बताया। जैसे ही रेखा और संजय दत्त की शादी की बात सुनील दत्त को पता चली तो वो बहुत नाराज हुए। उन्होंने संजय दत्त को ढूंढा और उनकी शादी रिचा शर्मा से करवा दी। रेखा संजय दत्त से करीब 5 साल बड़ी हैं। उन्होंने रेखा को संजय से दूर रहने की सलाह दी थी। क्या अभी भी रेखा, संजय दत्त के नाम का सिंदूर लगाती हैं? इसे जानने से पहले संजय दत्त की तीन चर्चित शादियों के बारे में जानते हैं।

संजय दत्त की ऋचा शर्मा से शादी 1987 में हुई। ऋचा और संजय दत्त की बेटी त्रिशाला दत्त न्यूयॉर्क में रहती हैं। शादी के बाद ऋचा को कैंसर हो गया। उन्होंने इस बीमारी का इलाज अमेरिका में कराया। उनकी तबीयत में सुधार भी आया। हालांकि बाद में फिर से उनकी तबीयत बिगड़ने लगी और 32 साल की उम्र में 10 दिसंबर 1996 को निधन हो गया था। ऋचा शर्मा ने देवानंद की फिल्म 'हम नौजवान' के अलावा 'अनुभव', 'इंसाफ की आवाज', 'सड़क छाप' जैसी फिल्मों में काम किया था।रिचा के निधन के बाद संजय की जिंदगी में मॉडल रिया पिल्लई



आईं। दोनों एक-दूसरे को पहले से जानते थे। वे एक-दूसरे के करीब उस समय आए थे, जब संजय को मुंबई ब्लास्ट केस में जेल जाना पड़ा। उस समय रिया ने संजय का साथ नहीं छोड़ा। संजय ने अपने मुश्किल समय में रिया पिल्लई को साथ देखा और उनका यही स्वभाव संजय के दिल को भा गया। जेल से बाहर आने के बाद संजय ने वैलेंटाइन डे के मौके पर रिया को प्रपोज किया और 14 फरवरी 1998 शादी कर ली। शादी टूटने के लिए संजय को जिम्मेदार ठहराया गया- शादी के बाद संजय दत्त ने एक साथ कई फिल्में साइन कर ली और शूटिंग में बिजी हो गए। इसकी वजह से वो रिया को समय नहीं दे पा रहे थे। इसकी वजह से दोनों के बीच दूरियां बढ़ने लगी और शादी के दस साल के बाद 2008 में तलाक हो गया। शादी टूटने के लिए संजय को जिम्मेदार ठहराया, जिससे वह लोगों की नजरों में विलेन बन गए।

हालांकि कुछ जानकारों का मानना है कि संजय दत्त उस समय मान्यता के करीब आ गए थे तो रिया टेनिस प्लेयर लिएंडर पेस को डेट करने लगीं। दोनों ने अपने रास्ते अलग कर लिए और तलाक का केस फाइल कर दिया। यासिर उस्मान ने अपनी किताब 'द क्रेजी अनटोल्ड स्टोरी ऑफ बॉलीवुड बैड बॉय संजय दत्त' में इस बात का जिक्र किया है कि उस वक्त बॉलीवुड में सभी को लग रहा था कि संजय दत्त ने धोखा दिया है, लेकिन संजय दत्त ने तलाक के बदले रिया पिल्लई को बांद्रा में दो फ्लैट भी दिए। वहीं, अपनी दो कंपनियों देजा वू एंटरटेनमेंट और ग्लोबल एंटरटेनमेंट के शेयर भी रिया के नाम कर दिए थे।तीसरी शादी मान्यता से दूसरी पत्नी रिया पिल्लई से तलाक के बाद संजय दत्त ने तीसरी शादी मान्यता से 7 फरवरी, 2008 को गोवा के ताज एक्सोटिका में की। शादी के 2 साल कपल ने 21 अक्टूबर 2010 को अपने खूबसूरत जुड़वां बच्चों शाहरान (बेटा) और इकरा (बेटी) का स्वागत किया। बताया जाता है कि संजय और मान्यता की शादी में संजय की बहनें नहीं शामिल हुईं और न ही मान्यता को अपनी भाभी के रूप में स्वीकार किया। हालांकि पिछले कुछ सालों में चीजें बदल गई हैं। अब मान्यता का अपनी ननदों के साथ बहुत अच्छा रिश्ता है।कौन हैं मान्यता दत्त? मान्यता दत्त का असली नाम दिलनवाज शेख हैं। प्रकाश झा की फिल्म 'गंगाजल' में मान्यता ने आइटम नंबर किया था। इस फिल्म में उनके आइटम सॉन्ग 'चौक चौराहे' और 'अल्हड़ जवानी' काफी पॉपुलर हुए थे। मान्यता ने बी और सी ग्रेड की कुछ फिल्मों में भी काम किया था। शादी के बाद उन्होंने न सिर्फ अपना नाम बदला बल्कि इंडस्ट्री को भी हमेशा के लिए छोड़ दिया। अब वो संजय दत्त प्रोडक्शंस की सीईओ हैं। संजय दत्त की जिंदगी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। इसी लिए तो राजकुमार हिरानी ने उनकी जिंदगी पर फिल्म 'संजू' बना दी। फिल्म संजू में बताया गया था कि संजय दत्त के 308 से ज्यादा अफेयर्स रहे हैं। हालांकि इस पर खुद संजय दत्त ने कभी कुछ कहा नहीं, सिवाय इसके कि यंग एज में उनके अफेयर्स रहे हैं। इंडिया टुडे से बातचीत के दौरान संजय दत्त ने कहा था कि उन्होंने एक साथ तीन महिलाओं को डेट किया था। संजय दत्त का नाम टीना मुनीम, रेखा, माधुरी दीक्षित और लीजा रे जैसी एक्ट्रेसेस के साथ नाम जुड़ चुका है। टीना मुनीम को लेकर बहुत पैशनेट थे- टीना मुनीम और संजय दत्त बचपन के दोस्त थे। 80 के दशक में वे एक-दूसरे के करीब आए। संजय दत्त ने एक बार 'स्टारडस्ट' से बातचीत में टीना मुनीम के लिए अपनी फीलिंग्स बताई थीं। उन्होंने कहा था कि वह टीना को लेकर बहुत पैशनेट थे। वह उनकी जिंदगी में बहुत अहमियत रखती थीं। संजय दत्त की साली ने माधुरी को 'घर तोड़ने वाली' बताया था- बताया जाता है कि संजय दत्त और माधुरी दीक्षित फिल्म 'साजन' की शूटिंग के दौरान एक दूसरे के बेहद करीब आ गए थे। एक्टर की पहली पत्नी रही ऋचा शर्मा उन दिनों कैंसर से जूझ रही थीं और वे बीमारी के दिनों में अमेरिका अपने पेरेंट्स के पास आ गई थीं। एक तरफ संजय दत्त अपनी पहली पत्नी ऋचा से दूर थे, तो वहीं दूसरी तरफ उनकी माधुरी संग नजदीकियां बढ़ रही थीं। ऋचा शर्मा की बहन ने माधुरी पर गंभीर आरोप लगाते उन्हें 'घर तोड़ने वाली' बताया था और कहा था कि वह

इंसान नहीं है क्योंकि उसने मेरी बहन का घर तोड़ा है। हालांकि जब संजय दत्त का नाम मुंबई बम ब्लास्ट केस के दौरान घर में अवैध हथियार रखने के लिए सामने आया तब माधुरी ने एक्टर से दूरी बना ली और दोनों का ब्रेकअप हो गया था।क्या संजय दत्त के नाम का सिंदूर लगाती हैं रेखा? कुछ साल पहले लेखक यासिर उस्मान की लिखी किताब 'रेखा द अनटोल्ड स्टोरी' का हवाला देकर संजय दत्त के साथ रेखा की शादी की बात छपी थी। दावा किया गया था कि रेखा आज भी संजय दत्त के नाम का सिंदूर लगाती हैं। यह खबर खूब सुर्खियों में रही। अमिताभ को जलाने के लिए संजय दत्त से नजदीकियां बढ़ाई थीं- कुछ वेबसाइट में किताब का हवाला देते हुए खबर छपी थी कि जब अमिताभ रेखा से दूर चले गए थे और विनोद मेहरा से उनकी शादी टूट गई थी तो वो बहुत अकेली हो गई थीं। उसी दौरान संजय दत्त के साथ रेखा फिल्म 'जमीन आसमान' में काम कर रही थीं। दोनों एक दूसरे के करीब आए और शूटिंग खत्म होते-होते शादी कर ली। खबर के मुताबिक रेखा ने ये भी मान लिया कि उन्होंने अमिताभ बच्चन को जलाने के लिए संजय दत्त से नजदीकियां बढ़ाई थीं। रेखा ने सिंदूर लगाना फैशन माना था- रेखा ऋषि कपूर और नीतू सिंह की शादी के रिसेप्शन में मांग में सिंदूर लगाकर पहुंची थीं। तब हर किसी की नजर रेखा के सिंदूर पर ठहर गई थी। रेखा के सिंदूर को अमिताभ बच्चन से भी जोड़ा गया था, लेकिन जब चर्चा बढ़ने लगी तो रेखा ने सिंदूर पर सफाई देते हुए कहा था कि वो जहां से आती हैं, वहां सिंदूर लगाना फैशन माना जाता है। किताब के लेखक का दावा-

बहरहाल, अब बात करते हैं उस किताब के बारे में जिसको आधार बनाकर रेखा के साथ संजय दत्त के रिश्ते की चर्चा हुई। यासिर उस्मान की लिखी किताब 'रेखा द अनटोल्ड स्टोरी' 15 अगस्त 2016 को लोगों के बीच आई थी। उस किताब के

बारे में दावा किया जाता है कि रेखा की जिंदगी पर लिखी गई किताबों में ये सबसे विश्वसनीय और सही है। किताब के लेखक यासिर उस्मान ने उन खबरों पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा था, 'किसी एक वेबसाइट ने शरारत करते हुए खबर छापी, उसके बाद देश की तमाम बड़ी एंटरटेनमेंट वेबसाइट्स ने इस खबर को बिना किसी पड़ताल के छाप दिया। किताब में अफवाह का किया गया खंडन- रेखा द अनटोल्ड स्टोरी के पेज नंबर 162 पर लिखा है कि 1984 में एक दिन, पता नहीं कहां से, ये खबर उड़ी कि रेखा ने संजय दत्त से शादी कर ली है। हालांकि सच ये था कि संजय दत्त एक खराब दौर से गुजर रहे थे और रेखा उनकी मदद करने की कोशिश कर रही थीं। उस समय दोनों की साथ में फिल्म 'जमीन आसमान' भी रिलीज हो रही थी। इस फिल्म को भी इन अफवाहों से थोड़ा बहुत फायदा मिला। संजय ने बाद में इस कथित शादी का आधिकारिक रूप से खंडन कर दिया था। किताब में न ही उनके घर से भागने के बारे में कुछ लिखा है और सिंदूर शब्द का तो इस्तेमाल तक नहीं किया गया है। हालांकि, इस अफवाह का जिक्र जरूर था, जिसका खंडन किताब में किया गया था। नायक नहीं, खलनायक बन कर दर्शकों के दिलों पर राज किया- जिंदगी में तमाम उतार-चढ़ाव के बावजूद संजय दत्त ने बॉलीवुड में जो मुकाम हासिल किया है, वह किसी आम एक्टर के लिए आसान नहीं था। अपने दमदार अभिनय और संवाद अदायगी से संजय दत्त ने बॉलीवुड में एक अलग पहचान बनाई है। संजय दत्त ने अपने करियर में विभिन्न प्रकार के किरदारों को निभाया है, लेकिन उनके खलनायक और गैंगस्टर वाले किरदारों को विशेष रूप से सराहा गया है। उनकी संवाद अदायगी की शैली ने उन्हें एक लोकप्रिय और यादगार अभिनेता बना दिया है।

# 'ये मेरी बहन है, बीवी नहीं',फरदीन खान ने बहन लैला को पत्नी समझने पर पैपराजी की गलती सुधारी

मुंबई। मुंबई में हाल ही में एक अवॉर्ड फंक्शन के दौरान एक्टर फरदीन खान अपनी बहन लैला के साथ नजर आए, जहां पैपराजी ने लैला को उनकी पत्नी समझ लिया। इस पर फरदीन ने मौके पर ही साफ करते हुए कहा कि वह उनकी बहन हैं, पत्नी नहीं, जिससे कन्फ्यूजन दूर हुआ। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में फरदीन पैपराजी की गलती सुधारते नजर आते हैं। वह कहते हैं, 'ये बहन

है मेरी, बीवी नहीं। बहुत सारे हैंडल्स लिखते हैं कि ये मेरी बीवी है।' इस पर उनकी बहन लैला हंस पड़ती हैं और फरदीन भी मुस्कुराते दिखते हैं। फरदीन खान की शादी एक्ट्रेस मुमताज की बेटी नताशा माधवानी से हुई। दोनों के दो बच्चे बेटी डायनी और बेटा अजेरियस हैं। फरदीन लंबे समय तक लंदन में रहे, लेकिन अब उन्होंने मुंबई में फिर से अपना बेस बना लिया है। उनके मुंबई शिफ्ट होने के बाद सोशल मीडिया पर नताशा से अलग होने की अफवाहें सामने आई थीं, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। 2024 में टाइम्स ऑफ इंडिया को दिए एक इंटरव्यू में फरदीन ने बच्चों से दूर रहने को मुश्किल बताया था और कहा था कि वह उनसे रेगुलरली वीडियो कॉल पर कनेक्ट रहते हैं।वहीं, मुमताज ने टाइम्स ऑफ इंडिया को दिए एक इंटरव्यू में कहा था कि इस मामले में कुछ भी सीरियस नहीं है। फरदीन और नताशा अब भी पति-पत्नी हैं और उनका तलाक नहीं हुआ है।

# पति बेरोजगार हैंःससुराल से मदद लेने में उनका इगो टकराता है, पति को कैसे समझाऊं, मदद लेना कमजोरी नहीं, साहस है

नयी दिल्ली। एक्सपर्टः द्युतिमा शर्मा, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट एंड ट्रॉमा थेरेपिस्ट, भोपाल से समझते हैं सवाल जवाब के

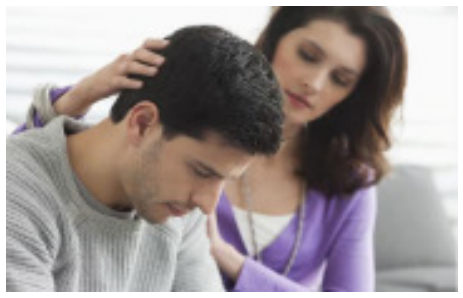

माध्यम से. सवालः मेरी शादी को 3 साल हो गए हैं। मैं और मेरे पति आर्थिक तनाव से जूझ रहे हैं। हाल ही में उनकी नौकरी चली गई और अब हम मेरी आमदनी और कुछ बचत पर निर्भर हैं। मैं पैसे को लेकर सतर्क हूं, लेकिन वह खर्च करने में लापरवाह हैं, जिससे हमारे बीच बहस होती है। मैं उनकी नौकरी छूटने के दुख को बढ़ाना नहीं चाहती, लेकिन मुझे भविष्य की चिंता सता रही है। मेरे परिवार ने मदद की पेशकश की, पर उन्हें लगता है कि उनका आत्मसम्मान बिखर जाएगा। हम पैसे के मसले को रिश्ते पर हावी होने से कैसे रोकें? क्या मुझे सख्त बजट बनाना चाहिए या कोई और तरीका है? उनकी इमोशनल मदद कैसे करूं और हकीकत से कैसे निपटूं? उन्हें कैसे समझाऊं कि ससुराल से मदद लेने में कोई बुराई नहीं है? जवाबः शादी के 3 साल बाद, आपके पति की नौकरी छूटने से आर्थिक तनाव बढ़ गया है। आप अपनी इनकम है, लेकिन आपके पति को लगता है कि इससे उनका आत्मसम्मान कम होगा। आप पूछ रही हैं कि पैसे के मसले को रिश्ते पर हावी होने से कैसे रोका जाए, क्या सख्त बजट बनाना चाहिए, उनकी भावनात्मक मदद कैसे करें और उन्हें कैसे समझाएं कि ससुराल से मदद लेना ठीक है। सबकुछ एक-एक करके समझते हैं।पैसे के मसले को रिश्ते पर हावी होने से कैसे रोकें? पैसे के मसले को रिश्ते पर हावी होने से रोकने के लिए सबसे जरूरी है खुलकर बातचीत और एकजुटता। अपने पति के साथ शांत माहौल में बैठें और अपनी चिंताओं को साझा करें। उदाहरण के लिए, आप उन्हें बताएं कि आप ये समझती हैं कि यह आप दोनों के लिए मुश्किल है, लेकिन अगर हम साथ मिलकर इसे संभालें, तो हमारा रिश्ता मजबूत रहेगा। बहस को समाधान की ओर मोड़ें।खुलकर बातचीत से आप दोनों के बीच विश्वास बढ़ेगा और पैसे का तनाव रिश्ते पर भारी नहीं पड़ेगा।हां, एक सख्त लेकिन लचीला बजट बनाना चाहिए। इसे दोनों आपसी सहमति से तैयार करें, ताकि कोई दबाव अपडेट करने या जॉब पोर्टल्स पर आवेदन करने में मदद करें। बजट और लक्ष्य से आपको स्पष्टता मिलेगी और आप दोनों एक टीम की तरह काम करेंगे। उनकी भावनात्मक मदद कैसे करूं और हकीकत से कैसे निपटूं? नौकरी छूटने से आपके पति का आत्मसम्मान को नुकसान हुआ होगा। उनकी भावनात्मक मदद के लिए आपको संवेदनशीलता और धैर्य दिखाना होगा। हकीकत से निपटने के लिए व्यावहारिक कदम उठाएं। भावनात्मक रूप से साथ देने के तरीके- बातें सुनें: उनकी बात बिना जज किए सुनें। अगर वे चिंता साझा करें, तो कहें, 'मैं समझती हूं कि यह तुम्हारे लिए कितना मुश्किल है।' सहानुभूति

रखें: उन्हें बताएं कि आप उनके साथ हैं। कैसी भी मुश्किल हो साथ मिलकर पार कर लेंगे। सकारात्मकता लाएं: साथ में वॉक पर जाएं, पुरानी यादें ताजा करें, या घर पर कोई सस्ता शौक शुरू करें। हिम्मत बंधाएं: उन्हें याद दिलाएं, 'यह अस्थायी है, तुम जल्द ही नई शुरुआत करोगे।' हकीकत से निपटने के लिए- उनकी भावनाओं का सम्मान करते हुए भी वित्तीय स्थिति पर स्पष्ट चर्चा करें।छोटे-छोटे कदम सुझाएं, जैसे नौकरी की तलाश में मदद करना या बजट का पालन करना। धैर्य रखें, लेकिन जरूरत पड़ने पर समर्थन पर जोर दें: उन्हें बताएं कि आपका परिवार हमारी मदद करना चाहता है क्योंकि वे हमसे प्यार करते हैं। इसमें शर्म की बात नहीं है।

इससे जुड़े उदाहरण दें: अगर आपके परिवार ने पहले उनकी मदद की हो, तो उसे याद दिलाएं। उन्हें यह एहसास दिलाएं कि यह एक अस्थायी समाधान है और इससे उनकी गरिमा कम नहीं होगी।आर्थिक तनाव से निपटने के टिप्स खुलकर बात करें: अपनी चिंताएं साझा करें और उनकी भावनाओं को समझें। बजट और लक्ष्य बनाएं: सख्त लेकिन लचीला बजट बनाएं और साझा फाइनेंशियल टारगेट तय करें। इमोशनल सपोर्ट दें: उनका आत्मसम्मान बढ़ाएं और सकारात्मक रहें। परिवार से मदद लें: इसे अस्थायी और सम्मानजनक तरीके से पेश करें। जरूरत पर पेशेवर मदद लें: वित्तीय सलाहकार या काउंसलर से सहायता लें।

और कुछ बचत पर निर्भर हैं और आपके अलग-अलग खर्च करने के तरीकों के कारण बहस हो रही है। आप भविष्य की चिंता में हैं, लेकिन अपने पति के दुख को बढ़ाना नहीं चाहती हैं। आपके परिवार ने मदद की पेशकश की महसूस न करे। बजट आपकी आय और खर्चों को नियंत्रित करेगा और बहस को कम करेगा। साथ ही, साझा वित्तीय लक्ष्य बनाना भी जरूरी है।इस दौरान आप अपने पति की नौकरी खोजने में मदद करें। उनके रिज्यूम को सख्ती भी दिखाएं, जैसे गैर-आवश्यक खर्च रोकना। भावनात्मक समर्थन से उनका

# ध्रुव राठी पर भड़के धुरंधर एक्टरःनवीन कौशिक बोले- फिल्म को हेट का सोर्स मत बनाओ

मुंबई। यूट्यूबर ध्रुव राठी के धुरंधर 2 को प्रोपेगेंडा बताए जाने पर एक्टर नवीन कौशिक नाराज हो गए हैं। धुरंधर 1 में 'डोंगा' का किरदार निभाने वाले एक्टर नवीन कौशिक ने कहा है कि, जिंदगी का हर पहलू पॉलिटिक्स से जुड़ा है, चाहे वह नेशनल पॉलिटिक्स हो या आपसी रिश्ते। कोई भी अच्छी फिल्म किसी न किसी तरह की आइडियोलॉजी को जरूर दिखाएगी। उन्होंने आगे कहा कि फिल्म को नफरत फैलाने का जरिया नहीं बनाना चाहिए। सबके पास बोलने की आजादी है, मैं बहस कर सकता हूं। लेकिन फिल्म को हेट का सोर्स मत बनाओ। फिल्म है, इसे फिल्म के फ्लो में देखो और एन्जॉय करो। नवीन कौशिक ने यूट्यूब चैनल हिंदी रश को दिए इंटरव्यू में ये बातें कहीं। विवाद की शुरुआत यूट्यूबर ध्रुव राठी के एक वीडियो से हुई, जिसमें उन्होंने डायरेक्टर आदित्य धर को 'बीजेपी प्रचारक' बताया। ध्रुव ने सोशल मीडिया पर लिखा, मैंने 3 महीने पहले ही आदित्य धर को प्रोपेगेंडा करने वाला कहा था। पिछली फिल्म में यह हल्का था, लेकिन इस बार वह ओवरकॉन्फिडेंस में खुलकर बोल गए हैं। अच्छी तरह से बनाया गया प्रोपेगेंडा खतरनाक होता है, लेकिन यह फिल्म तो अच्छी तरह बनी भी नहीं है।यह पहली बार नहीं है जब आदित्य धर की फिल्म पर सवाल उठे हों। पिछले साल दिसंबर 2025 में रिलीज हुई 'धुरंधर' के पहले पार्ट को भी ध्रुव राठी ने 'झूठा और वाहियात प्रोपेगेंडा' बताया था।

स्वत्वाधिकारी
एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।